mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-04 अंक-268 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
27 सितंबर 2024 शुक्रवार

दैनिक मीडियाऑडीटर
सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

बांग्लादेश के ... @ पेज 7

भारत का अलर्ट,जल्द से जल्द लेबनान छोड़ें भारतीय

इजराइली सेना घुसपैठ की तैयारी में, अमेरिका-फ्रांस ने जंग रोकने की मांग की

यरुशलम/बेरूत (एजेंसी)। भारत सरकार ने लेबनान में जंग जैसे हालातों को लेकर बुधवार देर रात एडवाइजरी जारी की। बेरूत स्थित भारतीय दूतावास ने यहां रह रहे भारतीय नागरिकों से तुरंत देश छोड़कर जाने को कहा है। वहीं, लोगों को बेहद सतर्क रहने की भी सलाह दी गई है। दो महीने पहले दूतावास ने लोगों को वहां जाने से भी मना किया था। लेबनान और इजराइल के बीच हो रहे हमले पिछले 8 दिनों में बढ़े हैं। इनमें 700 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है।

इजराइली सेना लेबनान में घुसपैठ की तैयारी कर रही है। ऐसे में मिडिल ईस्ट में एक और जंग का खतरा मंडरा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, इजराइल के मिलिट्री चीफ हर्जई हालेवी ने बुधवार को कहा कि लेबनान में उनके हवाई हमलों का मकसद हिजबुल्लाह के बुनियादी ढांचे को नष्ट करना और जमीनी घुसपैठ का रास्ता तलाशना है। इजराइली सेना ने कहा कि उन्होंने बुधवार देर रात हिजबुल्लाह के 75 ठिकाने पर हमले किए।

संक्षिप्त समाचार

जब कश्मीर में आतंकवाद हावी था,फारुक लंदन में छुट्टियां मना रहे थे

- अमित शाह बोले-अब्दुल्ला और नेहरू हैं 40 हजार हत्याओं के जिम्मेदार

श्रीनगर (एजेंसी)। गृह मंत्री अमित शाह जम्मू-कश्मीर में चुनावी रैली कर रहे थे। उन्होंने चेनानी और उधमपुर में लोगों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि यह अब्दुल्ला और नेहरू ही हैं जो जम्मू और कश्मीर में

40,000 लोगों की हत्या के जिम्मेदार हैं। उस समय फारुक अब्दुल्ला कहां थे। वह गर्मियों में लंदन में छुट्टियां मना रहे थे और महंगी मोटरसाइकिल चला रहे थे। कोई पार्टी नहीं, केवल बीजेपी ने जम्मू और कश्मीर से आतंकवाद को खत्म किया है। शाह ने कहा कि हमारी देश की संसद पर जिस अफजल गुरु ने हमला करवाया उसकी फांसी की सजा का ये लोग विरोध कर रहे हैं। उमर अब्दुल्ला कहते हैं कि अफजल गुरु को फांसी नहीं देनी चाहिए।

तिरुपति लड्डू विवाद

28 को बालाजी मंदिर जाएंगे जगन मोहन रेड्डी

टीडीपी बोली-पहले दस्तखत करें

तिरुपति (एजेंसी)। वायएसआर कांग्रेस पार्टी चीफ और आंध्रप्रदेश के पूर्व सीएम जगन मोहन रेड्डी 28 सितंबर को भगवान वेंकटेश्वर के मंदिर जाएंगे। तिरुपति प्रसादम में एनिमल फैट मिलाए जाने के आरोपों के बीच

जगन मंदिर में विशेष अनुष्ठान करने का ऐलान कर चुके हैं। जगन के इस ऐलान के बाद टीडीपी ने कहा है कि उन्हें एंट्री तभी मिलेगी, जब वे मंदिर के उस घोषणापत्र पर साइन करेंगे, जिसमें लिखा हो कि उन्हें भगवान बालाजी पर विश्वास है। पार्टी का आरोप है कि इतने साल से वे साइन किए बिना ही मंदिर में गए हैं। दरअसल, हिंदुओं के अलावा बाकी धर्मों के लोग जो भगवान बालाजी के दर्शन करना चाहते हैं, उनको घोषणापत्र पर साइन करना होता है।

कांग्रेस के गले की फांस बना हिमाचल नेमप्लेट विवाद

- विक्रमादित्य को दिल्ली तलब कर हाईकमान ने लगाई फटकार

शिमला (एजेंसी)। कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व ने हिमाचल प्रदेश की सरकार में मंत्री विक्रमादित्य सिंह को तलब किया है और सरकार की ओर से जारी किए गए हालिया आदेश को लेकर नाराजगी जताई है। याद दिलाना होगा कि हिमाचल प्रदेश की सरकार ने कहा है कि रेहड़ी, फास्ट फूड कॉर्नर और ढाबा

मालिकों को काउंटर पर अपना नाम और आईडी यानी पहचान का कोई दस्तावेज लगाना होगा। याद दिलाना होगा कि उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने भी ऐसा ही फैसला लिया है। विक्रमादित्य सिंह ने कहा था कि उत्तर प्रदेश की तरह यह व्यवस्था हिमाचल प्रदेश में भी लागू हो गई है और इस व्यवस्था को सख्ती से लागू करने के निर्देश दिए हैं।

भारत का शुक्रयान मिशन मार्च 2028 में होगा लॉन्च

4 साल का मिशन, यह पृथ्वी का जुड़वां ग्रह, इसका एक दिन पृथ्वी के 243 दिनों के बराबर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत का पहला शुक्र मिशन मार्च 2028 में लॉन्च किया जाएगा। केंद्र सरकार ने 19 सितंबर को इस मिशन की मंजूरी दी। यह मिशन चार साल का होगा। वीनस यानी शुक्र ग्रह धरती से करीब 4 करोड़ किमी दूर है। वीनस को पृथ्वी का जुड़वां ग्रह भी कहा जाता है। हालांकि, यहां का दिन-रात पृथ्वी की तुलना में काफी लंबा होता है। दरअसल वीनस अपनी धुरी पर बहुत धीमे घूमता है। इसकी वजह से वीनस का एक दिन पृथ्वी के 243 दिनों के बराबर होता है। मिशन वीनस क्या है भारत का यह मिशन वीनस के ऑर्बिट का अध्ययन करेगा। ग्रह की सतह, वायुमंडल, ऑयनोस्फियर (वायुमंडल का बाहरी हिस्सा) की जानकारी जुटाएगा। वीनस सूर्य के नजदीक (करीब 11 करोड़ किलोमीटर) है। ऐसे में सूर्य का इस पर क्या प्रभाव पड़ता है। इसका भी पता लगाएगा।

वीनस की स्टडी क्यों जरूरी है, इसके 3 कारण वीनस ग्रह को अक्सर पृथ्वी का जुड़वां कहा जाता है क्योंकि यह आकार और डेंसिटी (घनत्व) के मामले में पृथ्वी जैसा है। इसलिए, वीनस के अध्ययन से पृथ्वी के विकास को समझने में मदद मिल सकती है।

भाजपा ने एथलीट्स खत्म किए

सेक्शुअल हैरेसमेंट करने वालों को बचाया

- हरियाणा चुनाव में राहुल गांधी ने की दूसरी रैली, बीजेपी सरकार पर जमकर बरसे
- कहा-किसानों को फसलों का पैसा नहीं दिया जा रहा सब अंबानी-अडानी की जेब में जा रहा

हिसार/करनाल (एजेंसी)। राहुल गांधी हरियाणा चुनाव में पहली बार कांग्रेस का प्रचार करने पहुंचे हैं। हिसार के बरवाला में वह दूसरी रैली में संबोधित कर रहे हैं। इससे पहले उन्होंने करनाल के असंध में जनसभा को संबोधित किया। कांग्रेस नेता ने कहा कि भाजपा ने एथलीट्स खत्म कर दिए। महिला पहलवानों से सेक्शुअल हैरेसमेंट करने वालों को बचाया। उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान की सरकार चलाने वाले 90 लोग हैं। उसमें सिर्फ 3 दलित हैं जबकि 45 होने चाहिए। ये लड़ाई हरियाणा नहीं बल्कि हिंदुस्तान और संविधान को बचाने की है। भाजपा ने सारी संस्थाओं को आरएसएस के हवाले कर दिया। पूरा कंट्रोल नागपुर का है।

करनाल रैली में राहुल गांधी भूपेंद्र हुड्डा और कुमारी सैलजा को एक साथ मंच पर लेकर आए। टिकट बंटवारे में अनदेखी और हुड्डा समर्थकों के कथित जातिसूचक शब्द कहे जाने से सैलजा नाराज चल रही थीं। यहां किसानों से उनका हक छीना जाता है। आपको अपनी फसलों का सही दाम मिलता है।

अब कांग्रेस के लाउडस्पीकरों का करंट कमजोर पड़ गया है

हरियाणा विधानसभा चुनाव में विश्लेषकों पर पीएम मोदी का तंज

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को हरियाणा विधानसभा चुनाव के प्रचार में कहा कि अब कांग्रेस के लाउडस्पीकरों का करंट भी कमजोर हो गया है। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे विधानसभा चुनाव की तारीख नजदीक आ रही है, बड़े-बड़े दावे करने वाले उसके 'लाउडस्पीकर्स' का करंट भी कमजोर हो गया है।

इसके अलावा कांग्रेस पर किसानों को बरगलाने का आरोप लगाते हुए पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस शासन के दौरान हरियाणा के किसानों को फसलों का नुकसान होने पर केवल दो रुपये का चेक मिलता था। यही नहीं दलितों से अत्याचार का आरोप भी प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर लगाया। पीएम मोदी ने कहा कि कोई कल्पना भी नहीं कर सकता कि हरियाणा में कांग्रेस शासन के दौरान दलितों पर कितने अत्याचार हुए। हिमाचल में कांग्रेस ने बड़े-बड़े वादे किए लेकिन सत्ता में आने के बाद विकास थम गया और वे वेतन तक नहीं दे पा रहे हैं। हरियाणा के लोगों ने भाजपा को सेवा का एक और मौका देने का फैसला कर लिया है। कांग्रेस का ज्यादातर समय आपसी कलह में ही बीतता है, हरियाणा का बच्चा-बच्चा इसकी अंदरूनी कलह से वाकिफ है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस तो बीते 10 सालों में विपक्ष के तौर पर भी फेल ही रही है।

कांग्रेस की कलह से हरियाणा का बच्चा-बच्चा परिचित

मोदी ने दावा किया कि कांग्रेस का ज्यादातर समय आपसी गुटबाजी, लड़ाई और एक दूसरे का हिसाब चुकता करने में खप रहा है। उन्होंने कहा, 'जो पार्टी 10 साल तक जनता के विषयों से दूर रही हो, जो अपने परिवार के लिए जिए या अपने गुट के लिए जिए... ऐसे लोग हरियाणा की जनता का विश्वास कभी नहीं जीत सकते।' मोदी ने कार्यकर्ताओं से कहा कि कांग्रेस की आंतरिक कलह से हरियाणा का बच्चा-बच्चा परिचित है लेकिन उन्हें उनकी कलह पर सुखचैन से नहीं बैठ जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'वह अपनी मौत मरने वाले हैं। लेकिन हमें तो अपने परिश्रम से अपना झंडा गाड़ना है। हमें पहले से ज्यादा मेहनत करनी है।'

कर्नाटक सीएम सिद्धारमैया इस्तीफे के सवाल पर भड़के

- माइक हटाया, लैंड स्कैम में सीएम की जांच लोकायुक्त टीम कर रही,विपक्ष बोला-कुर्सी छोड़ें

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक सीएम सिद्धारमैया गुरुवार को एक रिपोर्टर पर भड़क गए। रिपोर्टर ने उनसे पूछा था कि इस्तीफा कब दे रहे हैं। सिद्धारमैया ने रिपोर्टर का माइक झटक दिया और कहा कि जब जरूरत होगी, तब कॉल करके बता दूंगा। विपक्ष की मांग है कि सिद्धारमैया सीएम की कुर्सी छोड़ दें। इस्तीफे की मांग को लेकर गुरुवार को भाजपा और जनता दल सेक्युलर विधानसभा के बाहर प्रदर्शन कर रहे हैं। दरअसल, सिद्धारमैया मैसुरु शहरी विकास प्राधिकरण घोटाले में जांच के दायरे में आ चुके हैं। कर्नाटक गवर्नर थावर चंद गहलोत ने इस घोटाले में सिद्धारमैया के खिलाफ जांच के आदेश दिए थे। सिद्धारमैया इसके खिलाफ हाईकोर्ट गए, लेकिन अदालत ने भी कहा कि जांच का आदेश सही है, ये होनी चाहिए। कर्नाटक की एक विशेष अदालत ने लोकायुक्त टीम को जांच का जिम्मा सौंपा है।

ड्रोन में दिखा कुछ ऐसा,खिल उठा वन विभाग का चेहरा

- यूपी के बहराइच में बहुत जल्द शिकंजे में होगा छठा भेड़िया!

बहराइच (एजेंसी)। आखिर कई दिन से फरार छठा भेड़िया वन विभाग के ड्रोन में उसी स्थान पर दिखा जहां पर उसका पूरा झुण्ड रहता था। इस बार वह अपने 5 साथियों के पकड़े जाने के भय से काफी होशियारी से तेज-तेज चल रहा था। प्रभागीय वनाधिकारी बहराइच अजीत प्रताप सिंह ने बताया कि हरबख्श पुरवा में उसी स्थान पर छठा भेड़िया भी दिखा है जहां उसके 5 साथी पकड़े जा चुके हैं। भेड़िए का यह पूरा झुण्ड घाघरा नदी के कछार में रहता था लेकिन भारी बारिश और बाढ़ के कारण कछार में पानी भर गया था, इसलिए बचे हुए छठे भेड़िए को अपना स्थान बदलना पड़ा था। इस इलाके से भेड़िए के चले जाने के कारण रेस्क्यू ऑपरेशन में दिक्कत आ रही थी क्योंकि दिन में कई बार ड्रोन उड़ाने के

बाद भी भेड़िया नहीं नजर आ रहा था लेकिन आचनक ड्रोन में भेड़िये के दिखाई दे जाने से एक बार फिर उसके पकड़े जाने की उम्मीद बढ़ गई है। सिंह ने आगे बताया कि कछार का पानी अब लगभग सूख गया है इसलिए अब वह बराबर यहां दिख सकता है। भेड़िया गांव में शिकार करने तो जरूर जाता है लेकिन गांव मे रुकता नहीं है। वह अपने शिकार को उठा कर तेजी से भागता है और किसी झाड़ी में भूख भर खाकर फिर अपने इलाके में वापस आ जाता है।

खुश तो बहुत होंगी ममता...

- वेस्ट बंगाल में अधीर रंजन की विदाई का 'ममता फैक्टर'
- शुभांकर खोलेंगे गठबंधन की गांठ,राहुल गांधी का बंगाल प्लान ऐक्टिव

कोलकाता (एजेंसी)। अधीर रंजन चौधरी की विदाई के बाद पश्चिम बंगाल में कांग्रेस ने शुभांकर सरकार ने नए प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाल ली है। राहुल गांधी के खास शुभांकर ने संकेत दिए हैं कि तृणमूल कांग्रेस के साथ गठबंधन के लिए पार्टी ने संभावनाओं के द्वार खोल दिए हैं। शुभांकर सरकार अपने पूर्ववर्ती अधीर रंजन चौधरी के उलट मृदुभाषी माने जाते हैं। बताया जाता है कि राहुल गांधी 2025 के बंगाल विधानसभा चुनाव में टीएमसी के साथ चुनाव लड़ने के लिए तैयार हैं, इसलिए उन्होंने ममता बनर्जी के विरोधी माने जाने वाले सबसे भरोसेमंद सेनापति अधीर रंजन को नेपथ्य में भेज दिया। बंगाल कांग्रेस के नए अध्यक्ष को 2001 के फॉर्मूले के हिसाब से गठबंधन की जमीन तैयार करना है।

टीएमसी से 2011 जैसे गठबंधन की चाहत

2011 के विधानसभा चुनाव में टीएमसी के साथ कांग्रेस ने 42 सीटें जीती थीं। उसे 21 सीटों का फायदा हुआ था। इसके बाद के चुनावों में कांग्रेस लगातार बंगाल में हाशिये पर रही। अभी पश्चिम बंगाल में कांग्रेस का एक विधायक और एक सांसद है। अधीर रंजन हमेशा से बंगाल में कांग्रेस को मुख्य विपक्षी दल के तौर पर स्थापित करने के लिए मशक्कत करते रहे। इसके लिए उन्होंने ममता विरोध का रास्ता अपनाया। टीएमसी हमेशा ही अधीर रंजन से असहज रही। अब उनके पद से हटने के बाद पश्चिम बंगाल कांग्रेस में टीएमसी के साथ मिलकर नई जमीन तलाशने की तैयारी कर रही है। पश्चिम बंगाल के नए प्रदेश अध्यक्ष शुभांकर सरकार अब राहुल गांधी के पॉलिटिकल प्लान को अमलीजामा पहनाएंगे। उनके पास एक साल का वक्त है। शुभांकर मेघालय और अरुणाचल में कांग्रेस के प्रभारी रहे हैं। नॉर्थ-ईस्ट में राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का मैनेजमेंट भी उन्होंने ही संभाला था। उनके प्रबंधन को देखकर राहुल काफी प्रभावित हुए और पश्चिम बंगाल की बागडोर सौंप दी।

संक्षिप्त समाचार

सोयाबीन उपार्जन के लिये किसानों का पंजीयन हुआ प्रारंभ

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार प्रदेश में प्राइस सपोर्ट स्कीम में सोयाबीन उपार्जन की प्रक्रिया को प्रारंभ कर दिया गया है। बुधवार से सोयाबीन उपार्जन के लिये किसानों का ई-उपार्जन पोर्टल पर पंजीयन प्रारंभ हो गया है। किसान सोयाबीन विक्रय के लिये आगामी 20 अक्टूबर, 2024 तक अपना पंजीयन करा सकते हैं। मंत्रि-परिषद की बैठक में खरीफ वर्ष 2024 (विपणन वर्ष 2024-25) में केन्द्र सरकार के प्राइस सपोर्ट स्कीम अंतर्गत सोयाबीन का पंजीकृत कृषकों से उपार्जन, राज्य उपार्जन एजेंसी म.प्र. राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित द्वारा किए जाने का निर्णय लिया गया। पंजीकृत किसानों से सोयाबीन की खरीदी (उपार्जन) 25 अक्टूबर से 31 दिसम्बर तक की जायेगी। सोयाबीन उपार्जन के लिये 1400 केंद्र बनाये जायेंगे, जिनमें यथा संशोधन भी किया जा सकेगा। प्रदेश में किसानों से 13.68 लाख मीट्रिक टन सोयाबीन न्यूनतम समर्थन मूल्य प्रति क्विंटल 4892 रूपये की दर से उपार्जन किया जायेगा। निर्धारित मात्रा से अधिक उपार्जन होने पर राज्य सरकार अपने स्तर पर सोयाबीन की खरीदी करेगी।

मंत्री श्री सिंह को उत्कृष्ट पर्यावरणीय प्रतिबद्धता के लिए नई दिल्ली में किया गया सम्मानित

भोपाल। लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह को नई दिल्ली में आयोजित ग्रीन रिबन चैम्पियंस 2024 कार्यक्रम में उनके द्वारा उत्कृष्ट पर्यावरणीय प्रतिबद्धता में विशेष रूप से जल संरक्षण के क्षेत्र में उनके द्वारा पिछले 15 वर्षों में किए गए अद्वितीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। यह सम्मान प्रसिद्ध अभिनेत्री गुल पनाग ने उन्हें प्रदान किया। ग्रीन रिबन चैम्पियंस के तहत पर्यावरण पथप्रदर्शकों का उत्सव के दौरान, मंत्री श्री राकेश सिंह को उनकी उत्कृष्ट पर्यावरणीय प्रतिबद्धता और विशेष रूप से जल संरक्षण में उनके प्रयासों को पहचान मिली। श्री सिंह का यह योगदान प्रदेश में जल और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ पर्यावरणीय संकटों के समाधान में भी महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। इस अवसर पर मंत्री श्री सिंह ने कहा की जल संरक्षण और पर्यावरण की सुरक्षा हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है,हम सभी को पर्यावरण की सुरक्षा के लिए निरंतर प्रयासरत रहना चाहिए। हमारी आने वाली पीढ़ियों के बेहतर भविष्य के लिए जल और पर्यावरण का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है।उनके द्वारा वॉटर रिचार्ज एवं पुरानी बाबड़ियों का पुर्नरुद्धार कर उन्हें जल मंदिर के रूप में विकसित करने की पहल को बहुत सराहा गया।

भोपाल शहर संभाग पूर्व में मो. अख्तर के यहां लगा पहला स्मार्ट मीटर

भोपाल। उपभोक्ताओं ने अब स्मार्ट मीटर के फायदे समझ लिए हैं। यही वजह है कि भोपाल शहर में अब तक 3 हजार 847 स्मार्ट मीटर लगाये जा चुके हैं। ये स्मार्ट मीटर भोपाल के दानिशकुंज जोन तथा बैरागढ़ चीचली जोन में लगाए गए हैं। वहीं भोपाल शहर संभाग पूर्व में आज पहला स्मार्ट मीटर इंस्टाल किया गया। यह स्मार्ट मीटर चांदबड़ जोन के अंतर्गत मकान नंबर 370, अशोक विहार कॉलोनी भोपाल में उपभोक्ता श्री मोहम्मद अख्तर के यहां लगाया गया। इस तरह से अब राजधानी सहित कंपनी कार्यक्षेत्र के सभी सोलह जिलों में स्मार्ट मीटर लगाने की रफ्तार बढ़ती जा रही है। स्मार्ट मीटर से उपभोक्ताओं को अनेक फायदे मिलने वाले हैं।

उपभोक्ताओं की सुविधा और त्वरित कार्य की दृष्टि से कंपनी ने किया बदलाव

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा निर्णय लिया गया है कि स्वयं का ट्रांसफार्मर योजना (ओवायटी) के वर्क ऑर्डर जारी करने का कार्य प्रबंधक ओएंडएम द्वारा किया जाएगा। गौरतलब है कि पूर्व में यह कार्य उप महाप्रबंधक (एसटीसी) द्वारा निष्पादित किया जाता था। नये निर्देशों के तहत ओवायटी के कार्य का सुपरविजन के कार्यादेश प्रबंधक ओएंडएम द्वारा जारी किया जाएगा और सहायक प्रबंधक/प्रबंधक की अनुशंसा पर उप महाप्रबंधक ओएंडएम द्वारा कार्यपूर्णतः प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा, जिसके आधार पर कंपनी के नियमानुसार ट्रांसफार्मर की चार्जिंग की जाएगी। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कहा है कि सामग्री और कार्य की गुणवत्ता तथा उपभोक्ताओं को ओवायटी कनेक्शन त्वरित गति से मिलने की सहूलियत की दृष्टि से यह व्यवस्था लागू की गई है। इस नई व्यवस्था से उपभोक्ताओं के ओवायटी योजना में ट्रांसफार्मर स्थापना के कार्य त्वरित गति से होंगे। गौरतलब है कि ओवायटी योजना अंतर्गत ट्रांसफार्मर लगाने के लिए कंपनी की ऑनलाइन व्यवस्था में आवेदक से प्राप्त आवेदन ''अ'' श्रेणी के ठेकेदारों द्वारा कराया जाता है।

रीजनल इंडस्ट्रीज कॉन्क्लेव बुंदेलखंड के औद्योगिक विकास में मील का पत्थर साबित होगा-मंत्री गोविंद सिंह राजपूत

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। बुंदेलखंड के संभागीय मुख्यालय सागर में 27 सितंबर को होने वाली रीजनल इंडस्ट्रीज कॉन्क्लेव बुंदेलखंड के विकास में मिल का पत्थर साबित होगी। कॉन्कलेव का उद्घाटन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे। यह जानकारी बुधवार की शाम खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने आयोजन स्थल पुलिस अकादमी परेड ग्राउंड की तैयारी का जायजा लेते हुए दी। मंत्री श्री राजपूत ने बताया कि तैयारियां अतिम चंरण में है। इस भव्य आयोजन में देश और विदेश के साढे चार हजार से अधिक उघमियों ने अभी तक पंजीयन कराया है। एक दिवसीय इस आयोजन में खनिज, पर्यटन, नवकरणीय ऊर्जा, टेक्सटाईल, आईटी, डॉटा सेंटर के क्षेत्र में भरपूर निवेश होने की संभावना है। आयोजन के अंत में एक जिला-एक उत्पाद पर कार्यशाला आयोजित की जावेगी। कॉन्कलेव की तैयारियां अंतिम चरण में है। पूरे शहर को आमंत्रित अतिथियों के स्वागत में दुल्हन

की तरह सजाया जा रहा है। मंत्री श्री राजपूत ने बताया कि रीजनल इंडस्ट्रीज कॉन्कलेव में मध्य प्रदेश के साथ-साथ देश और विदेश के उद्यमियों को शामिल होने का निमंत्रण दिया गया है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव उद्यमियों से चर्चा कर बुंदेलखंड में निवेश करने के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा करेंगे। श्री राजपूत ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव को बुंदेलखंड के औद्योगिक विकास की चिंता है। वह हर समय मुझे से बुंदेलखंड के विकास पर चर्चा करते हैं। उन्होंने बताया कि बुंदेलखंड क्षेत्र में खनिज, पर्यटन, कुटीर उद्योग, (जैसे बीड़ी, अगरबत्ती) नवकरणीय ऊर्जा, पेट्रो केमिकल्स ,प्लास्टिक, खाद्य प्रसंस्करण, डेरी और फर्नीचर निर्माण में उद्योग लगाने की पर्याप्त संभावनाएं हैं। मंत्री श्री राजपूत ने बताया सागर की पहचान चांदी उद्योग के रूप में देश में है। फूड प्रोसेसिंग के क्षेत्र में चनौआ में टमाटर, चितौरा में मिर्ची, जैसीनगर की हल्दी और शाहगड़ में देसी घी के उत्पादन की इकाइयां स्थापित किए जाने की पर्याप्त संभावनाएं हैं। यदि यह प्रयास किए जाते हैं तो सागर फूड प्रोसेसिंग एवं उत्पादन का हब बन सकता है। इसी प्रकार शाहगड़ और हीरापुर क्षेत्र में खनिज उत्पादन इकाइयां स्थापित किए जाने की बेहतर संभावनाएं हैं। यहां पर रॉक फास्फेट, डोलोमाइट,जिप्सम, सोप स्टोन, आयरन प्रचुर मात्रा में है। शाहगड़ का खनिज पूरे देश में विख्यात है।

वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में वन्य-जीव सप्ताह-2024 एक से 7 अक्टूबर तक

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। वन विहार राष्ट्रीय उद्यान भोपाल में वन्य-जीव सप्ताह-2024 का आयोजन एक से 7 अक्टूबर तक किया जायेगा। वन्य-जीव के प्रति रुचि तथा अपनत्व की भावना विकसित करने के साथ-साथ वन्य-जीवों के संरक्षण एवं संवर्धन में जन-भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से वन्य-जीव सप्ताह का आयोजन प्रतिवर्ष सम्पूर्ण भारत में किया जाता है। वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में वन एवं वन्य-जीव संरक्षण के प्रचार-प्रसार के लिये विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं के लिये कई प्रतियोगिताएँ आयोजित की जायेंगी। इन प्रतियोगिताओं में 'प्रथम आओ-प्रथम पाओ' के आधार पर प्रतिभागियों को प्रवेश दिया जायेगा। वन विहार में आयोजित समस्त प्रतियोगिता में भाग लेने के लिये 28 सितम्बर के पूर्व पंजीयन कराना अनिवार्य होगा। प्रतियोगिताओं की विस्तृत जानकारी एवं पंजीयन के लिये ई-मेल आईडी के साथ मोबाइल नम्बर 9424790611, 9424790613 और 9424790615 पर सम्पर्क कर सकते हैं। राज्य स्तरीय वन्य-जीव सप्ताह-2024 के अंतर्गत वन विहार में एक अक्टूबर, 2024 को प्रातः 10 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की जायेगी। इस प्रतियोगिता में विद्यालयीन, महाविद्यालयीन और दिव्यांग विद्यार्थी भी भाग ले सकेंगे। दो से 6 अक्टूबर तक प्रातः 6 से 8:30 बजे तक पक्षी अवलोकन शिविर का आयोजन किया जायेगा, जिसमें 60 प्रतिभागियों को पूर्व पंजीकरण के आधार पर प्रवेश दिया जायेगा। 2 अक्टूबर, 2024 को दोपहर 10:30 से 12:30 बजे तक वन विहार में विद्यालयीन छात्र-छात्राओं में जन-जागरूकता के लिये सृजनात्मकता कार्यशाला-सह-प्रतियोगिता आयोजित की जायेगी।

जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. शाह ने धार जिले की दुर्घटना की जांच एवं एफआईआर कराने के निर्देश दिये

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। धार जिले के सरदारपुर विकासखंड क्षेत्र के शासकीय अनुसूचित जनजाति सीनियर बालक छात्रावास, रिंगनोद में बुधवार की सुबह दो छात्रावासी बालकों की करंट लगने से मृत्यु हो गई। जनजातीय कार्य, लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन तथा भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने इस दर्दनाक दुर्घटना पर गहन दुःख व्यक्त कर शोक संतप्त परिजन के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की हैं। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दुर्घटना पर शोक व्यक्त कर मृत बालकों के परिजन को 2-2 लाख रूपये की सहायता राशि मंजूर की है। मृत बालकों के परिजन को जिला रेडक्रॉस से भी सहायता राशि दी गई है। मंत्री डॉ. शाह घटना की जानकारी लेने गुरूवार को रिंगनोद (जिला धार) जायेंगे। जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. शाह ने इस दुर्घटना को संज्ञान में लेकर सूक्ष्मता से जांच कराने एवं एफआईआर कराने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को घटना के लिये जिम्मेदार शासकीय सेवकों पर सख्त कार्रवाई करने तथा ऐसी घटनाएं दोबारा न हों, इसके लिये सभी छात्रावासों में सुरक्षा के समुचित प्रबंध करने के निर्देश भी दिये हैं। मंत्री डॉ. शाह के निर्देश पर कमिश्नर इंदौर श्री दीपक सिंह द्वारा प्रभारी सहायक आयुक्त, जनजातीय कार्य, जिला धार श्री बृजकांत शुक्ला को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. शाह ने बताया कि विभाग द्वारा संचालित सभी छात्रावासों व आश्रम शालाओं का नियमित रूप से निरीक्षण करने के लिये प्रदेश के हर संभाग में एक-एक महिला मंडल संयोजक नियुक्त की जायेंगी, जो 5 दिन अपने-अपने संभाग क्षेत्र के सभी छात्रावासों/आश्रम शालाओं का नियमित रूप से निरीक्षण करेंगी।

सहकारी समितियों की पहुँच पूरे प्रदेश में हो- मंत्री सारंग

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा है कि सहकारी समितियों की पहुँच पूरे प्रदेश में हो, इसकी व्यापकता की जरूरत है। साथ ही यह भी सुनिश्चित हो कि समितियों के माध्यम से किसानों को जागरूक भी किया जायें कि वह किस तरह की फसल उगाये। संवाद के माध्यम से ही किसानों के हित में काम किया जा सकता है, इसके लिये समितियां महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। मंत्री श्री सारंग बुधवार को मध्यप्रदेश राज्य सहकारी बीज उत्पादक एवं विपणन संघ मर्यादित के 19वें वार्षिक साधारण सम्मिलन को संबोधित कर रहे थे।

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि सरकार किसानों के हित में काम कर रही है। बिना किसी

ब्याज के ऋण उपलब्ध करवाना, खाद और बीज की आपूर्ति, हर खेत में पानी पहुँचाने तथा खेत में फसल के उचित दाम मिल सके, इसके लिये सरकार लगातार प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि किसान की खेती को उत्कृष्ट करने के लिये उत्कृष्ट बीज की आवश्यकता है और इसलिये यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि समितियों के माध्यम से उचित और उत्कृष्ट बीज मिल सके। इसके लिये बीज संघ काम कर रहा है।

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि बिना सहकार नहीं उद्धार और बिना संस्कार नहीं सहकार। इसके लिये पूरे संस्कार के साथ अपनी जो भी जिम्मेदारी है उसको निर्ववहन करें। उन्होंने कहा कि सरकार भी उत्कृष्ट एवं उन्नत तकनीक के माध्यम से और अग्रसर करने का प्रयास कर रही है। इसके लिये बहुत जल्द ट्रेनिंग प्रोग्राम आयोजित कर रहे है। इसमें नई तकनीक को जोड़कर उत्कृष्टता की और लेकर जायेंगे। कृषि में अनुसंधान और तकनीक का बहुत महत्व है। आज कृषि में उन्नतता के लिये तकनीकों का उपयोग हो रहा है, इसको सोसायटी तक पहुँचाना बीज संघ की जिम्मेदारी है। इसके लिये भी प्रशिक्षण कार्यक्रम बना रहे है। इसके माध्यम से सही गुणवत्ता के बीज का उत्पादन हो सके, इसकी जानकारी मिलेगी। बीज संघ और सोसायटी के माध्यम से किसानों की खेती और उत्कृष्ट हो सके इस पर भी काम कर रहे है और संवाद के माध्यम से हर कठिनाईयों को दूर किया जायेगा।

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि हमारा उद्देश्य है कि किसानों की उत्कृष्ट बीज और बीज के माध्यम से उत्कृष्ट फसल मिल सके।

राज्य शासन ने शुरू की शून्य आधार बजटिंग की नवाचारी पहल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राज्य शासन ने बजट निर्माण की नवाचारी पहल करते हुए वित्तीय वर्ष 2025-26 का बजट अनुमान शून्य आधार बजटिंग प्रक्रिया के आधार पर तैयार करने के निर्देश दिए हैं। विभागों को वर्तमान में चल सभी योजनाओं/नवीन योजनाओं के मूल्यांकन एवं विश्लेषण सूक्ष्मता से करने के लिये कहा है। शून्य आधारित बजट में बजट अनुमान शून्य से प्रारंभ किये जाते हैं। शून्य आधारित बजट में गत वर्षों के व्यय सम्बन्धी आंकड़ों को कोई महत्व नहीं दिया जाता है। इस प्रणाली में कार्य इस आधार पर शुरू किया जाता है कि अगली अवधि के लिए बजट शून्य है। प्रशासकीय विभाग द्वारा विभाग में चल रहे कार्यक्रमों और गतिविधियों की योजनावार पूरी तरह से गणना की पुनः समीक्षा की जाना होगी जिसमें विभाग में प्रचलित सभी योजनाओं की निरंतर उपयोगिता की गणना का सटीक आंकलन हो सके। अतः विभाग द्वारा अपने बजट प्रस्ताव के पक्ष में पिछले वर्षों के व्यय (विनियोग) का संदर्भ के साथ-साथ यह भी स्पष्ट करना होगा कि प्रस्तावित किये जा रहे बजट अनुमान की गणना का आधार क्या है। इससे वर्तमान योजनाओं/कार्यक्रमों या गतिविधियों के वित्त पोषण और प्रदर्शन स्तरों की व्यवस्थित समीक्षा और औचित्य पर ध्यान केंद्रित करके संसाधनों को पुनः वंटित किया जा सकेगा। शून्य आधार बजटिंग प्रक्रिया के अंतर्गत विभाग द्वारा ऐसी योजनाओं को चिन्हांकित किया जा सकेगा जो वर्तमान में अपनी उपयोगिता खो चुकी है और जिन्हें समाप्त किया जा सकता हो। इसके अतिरिक्त विभाग द्वारा प्रचलित समान उद्देश्य की योजनाओं को संविलियित करने का भी विचार किया जा सकता है।

प्रदेश के समस्त उच्च शिक्षण संस्थानों में लागू होगा नवीन अध्यादेश 14 (1)

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुसरण में सतत् क्रियान्वयन हो रहा है, इससे प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक परिवेश निर्मित हो रहा है एवं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की दिशा में महत्वपूर्ण क्रियान्वयन हो रहे हैं। इस अनुक्रम में उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने प्रदेश के समस्त उच्च शिक्षण संस्थानों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के परिप्रेक्ष्य में पाठ्यक्रमों में भारतीय ज्ञान परम्परा, मूल्य संवर्धन एवं कौशल विकास के अध्ययन के समावेश के लिए व्यापक कार्ययोजना के साथ क्रियान्वयन के निर्देश दिए थे। उच्च शिक्षा विभाग ने उक्त निर्देशों के अनुपालन में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 एवं ऌष्ट के दिशा निर्देशों के अनुरूप स्नातक पाठ्यक्रम के लिए नवीन अध्यादेश 14 (1) तैयार किया है। स्नातक पाठ्यक्रम के लिए पृथक-पृथक दो अध्यादेश 14 (ए)-सेमेस्टर प्रणाली और 14 (बी)-वार्षिक प्रणाली को सरलीकृत करते हुए सभी स्नातक पाठ्यक्रम के लिए, मात्र एक अध्यादेश 14 (1) निर्माण किया गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के परिप्रेक्ष्य में 14 (ए) और 14 (बी) को सरलीकृत करते हुए, नवीन अध्यादेश 14 (1) सृजित किया गया है। नवीन अध्यादेश 14 (1) में भारतीय ज्ञान परम्परा, मूल्य संवर्धन एवं कौशल विकास के अध्ययन के लिए प्रावधान किये गये हैं।

यह अध्यादेश शिक्षा के साथ-साथ विद्यार्थियों को समाज से जोड़ने, प्रतिभावान विद्यार्थियों को अनुसंधान का अवसर प्रदान करने एवं उनके सर्वांगीण विकास को प्रोत्साहित करेगा। विद्यार्थी स्नातक अवधि के मध्य, सेमेस्टर से वार्षिक अथवा वार्षिक से सेमेस्टर प्रणाली में अध्ययन कर सकेंगे यानि विद्यार्थियों को एक संस्थान से दूसरे संस्थान में स्थानांतरण लेना सुविधाजनक होगा।नवीन अध्यादेश लागू होने से सभी उच्च शिक्षण संस्थानों में क्रेडिट प्रणाली एकसमान होगी, साथ ही विद्यार्थियों को भाषा अध्ययन के अवसर उपलब्ध होंगे। स्नातक पाठ्यक्रम में यह नवीन अध्यादेश चरणबद्ध रूप से लागू होगा। अध्यादेश 14 (ए) और 14 (बी) में पृथक-पृथक क्रेडिट प्रणाली है, जबकि नवीन अध्यादेश 14 (1) में समान क्रेडिट प्रणाली की व्यवस्था होगी। प्रचलित अध्यादेश में 50ऌ से कम क्रेडिट पर अनुत्तीर्ण/शून्य सेमेस्टर होता है, जबकि नवीन अध्यादेश 14 (1) में 50ऌ से कम क्रेडिट की बाध्यता समाप्त होगी। प्रचलित अध्यादेश में एक मुख्य विषय का विकल्प रहता है, जबकि नवीन अध्यादेश 14 (1) में दो मुख्य विषयों के विकल्प के अवसर उपलब्ध रहेंगे। प्रचलित अध्यादेश में स्नातक चतुर्थ वर्ष के लिए 7.5 ष्टत्रक्क की बाध्यता रहती है जबकि नवीन अध्यादेश 14 (1) में समस्त विद्यार्थियों के लिए चतुर्थ वर्ष ऑनर्स का विकल्प उपलब्ध रहेगा। प्रचलित अध्यादेश में विद्यार्थियों को समस्त विषय एवं प्रवेशित संस्था में पढ़ने की अनिवार्यता रहती है, जबकि नवीन अध्यादेश 14 (1) में विद्यार्थियों के लिए प्रवेशित संस्था में विषय उपलब्ध ना होने की दशा में ऑनलाइन चुनने का प्रावधान रखा गया है। प्रचलित अध्यादेश में श्रेणी सुधार का अवसर उपलब्ध नहीं हैं जबकि नवीन अध्यादेश 14 (1) में समस्त विद्यार्थियों के लिए श्रेणी सुधार के अवसर उपलब्ध होंगे।

गुना जिले के सोनतिया के ग्रामीणों जल संरक्षण के लिये ली शपथ

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। गुना जिले के ग्राम सनोतिया ग्राम पंचायत भुलाय विकासखंड राघोगढ़ में 21 दिसंबर 2021 में जल जीवन मिशन के अंतर्गत नल जल योजना का हस्तान्तरण ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति को सौंपा गया। योजना अंतर्गत 02 नलकूप, 50 किलो लीटर क्षमता की टंकी एवं 2000 मी वितरण पाइप लाइन डालकर ग्राम के समस्त 205 परिवारों को नल से पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा हैं

सचिव लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी श्री पी. नरहरी, जल निगम के एमडी श्री के.वी.एस. चौधरी, प्रमुख अभियंता श्री के.के. सोनगरिया जिला कलेक्टर तथा अन्य प्रशासन अधिकारी ने जिले की पेयजल व्यवस्था के निरीक्षण करने के लिये 17

जून 2024 को ग्राम सुनोतिया का भ्रमण किया। सचिव श्री पी. नरहरि ने ग्राम वासियों से नल जल योजना से जलप्रदाय की स्थिति पूछने पर ग्राम वासियों द्वारा ग्रीष्म में योजना के दो नलकूपों में जल आवक क्षमता कम होने के कारण एक दिन छोड़ के जल प्रदाय प्राप्त होने की जानकारी दी। वस्तुस्थिति ज्ञात होने पर पता चला की नल जल योजना के मुख्य नल कूप जो की ग्राम के तालाब के पास स्थित है, वह तालाब सुखा रहने के कारण पर बताया गया कि तालाब के कैचमेंट एरिया एवं तालाब तक पानी लाने वाले नाले पर अतिक्रमण एवं कचरे का जमाव होने से बारिश का पानी तालाब तक नहीं पहुंच पाता। सचिव के निर्देश पर पानी बहाव के मार्ग में आने वाले अवरोध एवं अतिक्रमण को हटवा कर नाले को ग्राम पंचायत के माध्यम से सुधार करवाया गया। इस अभियान के तहत ग्राम पंचायत, पानी की समिति द्वारा सनोतिया तालाब पर उपस्थित होकर जल संरक्षण की शपथ ली गई ग्राम में स्वच्छता एवं जल संरक्षण की निरंतरता रखने की गतिविधियां लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा कराई जा रही है।

ग्रामवासियों ने पेयजल की निरंतर उपलब्धता होने पर खुशी जाहिर की एवं सनोतिया तालाब पर उपस्थित होकर जल संरक्षण की शपथ ली गई। अब वर्तमान में तालाब अपनी संपूर्ण क्षमता के अनुसार भर चुका है एवं नलकूप भी पर्याप्त मात्रा में जल प्रदाय कर रहे हैं। ग्राम की वर्तमान स्थिति को देखते हुए शासन के 24×7 नल से जल प्रदाय अभियान अंतर्गत जिले के पायलट ग्राम के रूप में ग्राम सनोतिया का चयन किया गया।

"स्वच्छता ही सेवा अभियान" के अंतर्गत खेल मैदान एवं विद्यालयों में साफ-सफाई की गई

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। म.प्र. शासन खेल और युवा कल्याण विभाग मंत्रालय भोपाल एवं संचालनालय खेल और युवा कल्याण म.प्र. भोपाल द्वारा मेरा युवा भारत (माय भारत) के तहत भारत सरकार के दिशा निर्देशानुसार दिनांक 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर 2024 के मध्य स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक सीधी डॉ. रविन्द्र वर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी) सीधी अरविन्द श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में दिनांक 17 सितम्बर 2024 से स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता, स्वच्छता की शपथ, जागरूकता एवं साफ-सफाई का कार्यक्रम निरंतर किया जा रहा है।

इसी श्रृंखला में 17 सितम्बर 2024 को कार्यालय के कर्मचारियों द्वारा कार्यालय की साफ-सफाई की गई, दिनांक 18 सितम्बर 2024 को वुशू मार्शल आर्ट प्रशिक्षण केन्द्र सामुदायिक भवन पुलिस लाईन सीधी में जिला खेल प्रशिक्षक एवं खिलाड़ियों द्वारा मैदान में साफ-सफाई की गई। 19 सितम्बर 2024 को सरस्वती उच्च. माध्य. विद्यालय मडरिया में स्वच्छता जागरूकता की शपथ दिलाई जाकर छात्र-छात्राओं द्वारा मानव श्रृंखला बनाकर स्वच्छता ही सेवा है का संदेश दिया गया।

20 सितम्बर 2024 को गुरूकुल विद्यालय मडरिया में, 21 सितम्बर 2024 को सरस्वती शिशु मंदिर कोटहा मे विद्यालय परिसर की साफ सफाई एवं 22 सितम्बर 2024 को खेल विभाग के कार्यालय परिसर की साफ-सफाई की गई। 23 सितम्बर 2024 को ज्योति हायर सेकेण्डरी विद्यालय पटेल पुल सीधी 24 सितम्बर 2024 को कार्नेल कान्वेन्ट स्कूल सीधी में साफ-सफाई की गई। 25 सितम्बर 2024 को मारिशन पब्लिक स्कूल सीधी में स्वच्छता अभियान के अंतर्गत स्वच्छता नृत्य का प्रदर्शन कर संदेश दिया गया। 26 सितम्बर 2024 को अरविन्दो उच्च. माध्य. विद्यालय सीधी में मानव श्रृंखला से महात्मा गांधी जी के चश्मा बनाकर एवं चित्रकला के द्वारा स्वच्छता का संदेश दिया गया।

स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियां जिला स्तर सीधी एवं विकासखण्ड सीधी में मानिन्द शेर अली खान, जिला खेल प्रशिक्षक वुशू, जयबीर सिंह ब्लाक समन्वयक सीधी द्वारा नगर पालिका परिषद सीधी व विद्यालयों के प्राचार्य से समन्वय कर स्वच्छता जागरूकता का कार्यक्रम किया जा रहा है। इसी प्रकार विकासखण्ड कुसमी में कृष्णानन्द मिश्रा, विकासखण्ड मझौली में सरोज पटेल, विकासखण्ड रामपुर नैकिन में ललिता साकेत, विकासखण्ड सिहावल में अमित कुमार द्विवेदी ब्लाक समन्वयकों के द्वारा स्वच्छता के विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

कंपोजिट मदिरा दुकान बरौली और गढ़ी को आबकारी विभाग एवं जवा पुलिस की खुली छूट

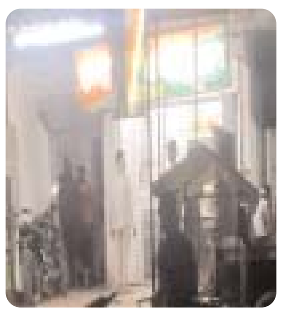

मीडिया ऑडीटर, जवा निप्र। आबकारी विभाग रीवा एवं जवा पुलिस के संरक्षण पर कंपोजिट मदिरा दुकान बरौली एवं गढ़ी कंपोजिट मदिरा की दुकान के द्वारा खुलेआम पूरे जवा बाजार मे गोमितियो, ठेले, दुकानों में एवं जवा थाने के सामने सहित गांव गांव में पैकारी करायी जा रही है। कई बार समाचार पत्रों में प्रकाशन के बावजूद आबकारी विभाग एवं जवा पुलिस द्वारा कोई कार्यवाही नही की जा रही है। सूत्रों के अनुसार जवा और गढ़ी शराब ठेकेदार की पकड़ आबकारी विभाग रीवा के उच्च अधिकारियो एवं जवा थाना प्रभारी से है इसी बजह से शराब ठेकेदार जिला कलेक्टर के निर्देशों को धता बता रहे है। सूत्र बताते है कि शराब ठेकेदार अपने दबंगई के दम पर मदिरा दुकान के बगल में खड़े होकर रात्रि 12 बजे तक शराब पीने की खुली छूट दे रखी है और नियम विरूद्ध रात्रि 12 बजे तक दुकान खुली रहती है इतना ही नही कंपोजिट मदिरा दुकान बरौली में रेट लिस्ट भी चस्पा नही है। जिस कारण ग्राहकों से मनमानी राशि वसूलते रहते है। शिकायत पर आबकारी विभाग और जवा पुलिस के द्वारा ध्यान नही दिया जाता है। जिसकी जानकारी आबकारी विभाग और जवा थाना प्रभारी को भी दी गयी है लेकिन हिम्मत नही की कार्यवाही कर सके। गांव गांव में पैकारी कराने से क्षेत्र के युवा नशे के गर्त में डूबता जा रहा है लेकिन कोई देखने सुनने वाला नही है।

प्रसाद में मिलावट कब तक रहेगी जारी : कथा वाचक आशीषाचार्य

मीडिया ऑडीटर, रीवा निप्र। तिरुपति मंदिर के लड्डू में जानवरों की चर्बी व मछली के तेल का इस्तेमाल पर विवाद जारी है। इसी बीच सुप्रसिद्ध भागवताचार्य आशीषाचार्य महाराज वृदावनोपासक ने सवाल उठाया है कि विश्व प्रसिद्ध तिरुपति बालाजी मंदिर के प्रसाद में मिलावट को कथा वाचक ने आत्मा का वध करने जैसा बताया हैं। इस मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए उन्होंने केंद्र सरकार और उच्चतम न्यायालय से ऐसे लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की अपील की है। आशीषाचार्य ने एक वीडियो संदेश के जरिए अपनी पीड़ा साझा की है, कहा है कि तिरुपति बालाजी के प्रसाद में जिस तरीके की मिलावट की बातें देश की जनता को सुनाई पड़ रही है वह बहुत दुखद है। आजाद भारत में कोई व्यक्ति हिन्दू धर्मावलंवियों की भावनाओं से इतना बड़ा खिलवाड़ कर सकता हैं वह भी प्रदेश सरकार के संरक्षण में या उसकी देखरेख में। हमारे संविधान में पूजा पद्धति पर अधिकार प्रदेश सरकार के अधीन है। वावजूद इसके इस तरह की लापरवाही प्रदेश सरकार की गलतियों को उजागर करती है। उन्होने कहा कि अगर यह बात सच है तो इसके पीछे कौन व्यक्ति है किसका हाथ है सरकार को पता करना चाहिए और उस व्यक्ति के विरुद्ध इतनी कठोर कार्रवाई होनी चाहिये कि दोबारा इस तरह के क़त्य करने की कोई सोच भी न सके। उन्होने भारत सरकार और सुप्रीम कोर्ट से आग्रह किया है कि इस पर गहन जांच करके दोषियों को सजा दें। कथा वाचक ने आगे कहा तिरुपति बालाजी में पवित्रता का ध्यान रखा जाता है और हम सब ये जानते हैं लेकिन जिस तरीके से न्यूज़ आ रही है वो ठीक नहीं है अगर यह सच है तो निश्चित तौर पर हम सब हिन्दू धर्मालंबियों के साथ बहुत बड़ा आघात हो रहा है। आगे कहा कि आज तो तिरुपति बालाजी में चर्बी मिली कल वृंदावन में बांके बिहारी के प्रसाद पेड़ा में भी मिलेगा सरकार जांच करायेगी मंदिर का पुजारी शुद्धीकरण करायेगें आखिर कब तक यह विचारणीय प्रश्न है।

यात्री बस अनियंत्रित होकर पलटी

दमोह-पन्ना मार्ग पर रेकरा के पास हादसा, सवारियों को मामूली चोट

मीडिया ऑडीटर, पन्ना निप्र। जिले के सिमरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत दमोह-पन्ना मार्ग में तेज रफ्तार यात्री बस गुरुवार को अनियंत्रित होकर पलट गई। जिसमें सवार यात्रियों को मामूली चोटें आई है। जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। गनीमत रही कि बड़ा हादसा होने से टल गया। वहीं बताया जा रहा है कि बस ड्राइवर तेज गति से लापरवाही पूर्वक बस चला रहा है। जिससे बस बेकाबू हुई और दुर्घटनाग्रस्त हो गई।

जानकारी के अनुसार जिले के सिमरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत पन्ना-दमोह मार्ग में सुखेजा ट्रेवल्स की बस अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में बस में सवार करीब 6 से 8 यात्रियों को मामूली चोटें आई है। गनीमत रही बड़ा हादसा होने से टल गया। बताया जा रहा है कि बस पन्ना से दमोह जा रही थी। जो व्यारमा नदी पुल के ठीक पहले रेकरा गांव के पास सड़क पर पलट गई। यात्रियों ने बताया कि बस चालक लापरवाही से बस चला रहा है। चलती बस में मोबाइल चलाने के दौरान हादसा हुआ है।

नवागत जिपं सीईओ ने की निर्माण कार्यों की समीक्षा

अधिकारियों को दी नसीह, बोलीं-कागजों की जगह मैदानी स्तर पर दिखे प्रगति

मीडिया ऑडीटर, शहडोल निप्र। नवागत जिला पंचायत सीईओ ने गुरुवार शाम को जिले में चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों की समीक्षा की। सीईओ आर अंजली ने विभिन्न विभागों के आधे-अधूरे निर्माण कार्यों की भी जानकारी ली।

बैठक के दौरान सीईओ ने कहा कि जो भी निर्माण कार्य आधे-अधूरे हैं उसे समय-सीमा में पूर्ण कराएं। कोई भी कार्य लंबित न रहें। उन्होंने कहा कि विभागों की ओर से कराए जा रहे निर्माण कार्य गुणवत्तायुक्त हो, यह भी सुनिश्चित करें।

कार्य की प्रगति मैदान में दिखें: सीईओ अंजली ने विभागीय अधिकारियों से कहा कि अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि कार्यो संख्यात्मक प्रगति न हो। कार्यों की प्रगति मैदानी स्तर पर दिखना चाहिए और विभागीय अधिकारी निर्माण कार्यों की सतत रूप से समीक्षा करें।

निर्माण कार्य में तेजी लाएं अधिकारी: बैठक में सीईओ ने भूमि पूजन और लोकार्पण के कार्यों की भी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि आजीविका मिशन, महिला बाल विकास, पीएम जनमन योजना, जल संसाधन, सड़क और बाउण्ड्रीवाल निर्माण, खनिज मद के कार्य, पशु चिकित्सा विभाग सहित अन्य विभागों के कार्यों की समीक्षा की।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मुद्रिका सिंह, सीएमएचओ डॉ. राजेश मिश्रा, कार्यपालन यंत्री जल संसाधन प्रतीक खरे, जिला महिला बाल विकास अधिकारी मनोज लारोकर, जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थें।

बरगवां पुलिस को मिली सफलता

25 लाख का स्पंज आयरन लेकर फरार ट्रक चालक को किया गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली निप्र। सिंगरौली जिले की बरगवां थाना पुलिस ने 25 लाख रुपए कीमत का स्पंज आयरन लेकर फरार हुए ट्रक चालक को ट्रक समेत पकड़ने में सफलता हासिल की है। 18 सितंबर को इस बात की थाने में शिकायत दर्ज करवाई गई थी।

बरगवां थाना प्रभारी शिवपूजन मिश्रा ने बताया कि बरगवां इलाके में संचालित एक निजी स्पंज आयरन फैक्ट्री से दो ट्रक कच्चा लोहा जिसे स्थानीय भाषा में स्पंज आयरन कहा जाता है। उसे लेकर नेपाल और उत्तरांचल के लिए रवाना हुए थे, लेकिन जब समय सीमा पर ट्रक वहां नहीं पहुंचे तो 18 सितंबर को कंपनी के मैनेजर शैलेंद्र बहादुर सिंह ने सूचना थाने को दी।

जिस पर आपराधिक मामला पंजीबद्ध किया गया और आरोपियों की तलाश शुरू की गई। इसके बाद आज पुलिस टीम ने एक ट्रक उत्तर प्रदेश के जौनपुर से जब्त कर लिया। चालक को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया है, जबकि अभी इसी मामले पर दूसरा ट्रक जो नेपाल के लिए निकला था उसकी तलाश की जा रही है। पकड़े गए कच्चे लोहे की कीमत तकरीबन 25 लाख रुपए है। इस पूरी कार्रवाई में उपनिरीक्षक राम त्रिपाठी, सहायक उप निरीक्षक पंकज सिंह, प्रधान आरक्षक अनूप मिश्रा, आरक्षक अरविंद यादव की भूमिका महत्वपूर्ण रही।

पिता की हत्या करने वाला आरोपी बेटा गिरफ्तार

संपत्ति के विवाद में बड़े बेटे ने वारदात को दिया अंजाम, पुलिस ने किया गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। सीधी जिले की सिहावल जनपद पंचायत क्षेत्र अंतर्गत रामनगर के रहने वाले 80 साल के व्यक्ति के हत्या के मामले में पुलिस ने आरोपी बेटे को गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया। 23 सितंबर को काशी प्रसाद केवट की उसके घर पर खून से सनी लाश मिली थी।

कुल्हाड़ी से पिता के गला पर किया हमला: मामले पर जानकारी देते हुए उपनिरीक्षक शेषमणि मिश्रा ने बताया है कि संपत्ति के विवाद में बड़े बेटे ने पिता की हत्या की थी। आरोपी राममिलन केवट मृतक काशी प्रसाद केवट की पहली पत्नी का बेटा है, जो रात में मछली पकड़ने के बहाने से घर के बाहर गया हुआ था।

आधी रात में घर आने के बाद, पास रखी हुई कुल्हाड़ी उठाकर अपने पिता के गले में वार किया, जिससे उसके पिता की मौत हो गई। उसने कुल्हाड़ी ले जाकर घर के अंदर छिपा दिया। साथ ही वह मौके से फरार हो गया। गुरुवार को पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया, जहां पूछताछ के बाद उसने वारदात को अंजाम देने की बात कबूली।

आरोपी व्यक्ति को पुलिस ने आज गुरुवार के दिन गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है वहां से उसे जिला जेल भेज दिया गया।

जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक की वार्षिक आमसभा सम्पन्न

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित सीधी की 62वीं वार्षिक आमसभा 25 सितम्बर 2024 को बैंक सभागार में बैंक प्रशासक कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी कमल मकाश्रे द्वारा आमसभा के एजेन्डा अनुसार विषयसूची का वाचन किया गया। बैंक की वार्षिक आमसभा में वर्ष 2023-24 की अंकेक्षित वित्तीय पत्रक एवं वर्ष 2025-26 का वार्षिक बजट स्वीकृत किया गया। वार्षिक आमसभा में बैंक प्रशासक द्वारा सभी बैंक सदस्य प्रतिनिधियों से बैंक के विकास में समुचित प्रयास समय पर सुनिश्चित करने हेतु अपेक्षा की गयी। आमसभा की बैठक के अंत में बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा जिला सीधी एवं सिंगरौली के कलेक्टर, संयुक्त आयुक्त सहकारिता, रीवा संभाग रीवा, उप आयुक्त सहकारिता सीधी एवं सिंगरौली, बैंक के सभी अंशधारी सदस्यों सहित अन्य सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों का जिनका बैंक की प्रगति में विशेष योगदान मिला है उनका धन्यवाद अदा करते हुए आभार व्यक्त किया गया।

इसी प्रकार बैंक के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों जिन्होंने स्टाफ की कमी के बावजूद अपनी मेहनत एवं लगन से इस बैंक की प्रगति में योगदान दिया गया है, का भी आभार व्यक्त किया। आमसभा की बैठक में उप आयुक्त सहकारिता, मुख्य कार्यपालन अधिकारी बैंक सहित सभी अंशधारी सदस्य उपस्थित थे।

दो पक्षों में हुई मारपीट, पुलिस ने दर्ज किया क्रॉस एफआईआर

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर निप्र। छतरपुर जिले में गुरुवार की शाम 5 बजे सटई थाना क्षेत्र का सोशल मीडिया पर मारपीट का एक वीडियो वायरल हुआ है। वायरल वीडियो में आधा दर्जन लोग गाली-गलौज करते हुए मारपीट करते नजर आ रहे हैं। हालांकि यह वीडियो गुरुवार की सुबह 10:30 का बताया जा रहा है शाम को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है थाना पुलिस ने दोनों पक्षों पर मामला दर्ज करते हुए जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, विनोद पिता लक्ष्मी मिश्रा कदवा गांव का रहने वाला है। आज (गुरुवार) की सुबह 10:30 बजे अतुल वाले खेत पर काम कर रहा था। तभी गांव के अरविंद यादव, कद्दू उर्फ भगवान दास यादव ट्रक लेकर निकल रहे थे। इसी दौरान खेत में लगी बारी टूटने के विवाद पर दोनों पक्ष में गाली-गलौज होने लगी। विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्ष में मारपीट हो गई।

जिसका वीडियो पास में खड़े एक व्यक्ति ने मोबाइल में बना लिया। सोशल मीडिया पर गुरुवार (26 सितंबर) की शाम 5 बजे वायरल कर दिया। घटना के बाद दोनों पक्षों ने सटई थाना में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने दोनों पक्षों पर तीन लोगों के खिलाफ मारपीट का मामला दर्ज करते हुए जांच पड़ताल शुरू कर दी है। सटई थाना प्रभारी दीपक यादव ने बताया कि इस मामले में दोनों पक्षों पर मामला दर्ज किया गया है। जांच पड़ताल की जा रही है।

दुर्गा उत्सव की तैयारी जोरों पर

कोलकाता से आए कारीगर बना रहे मूर्तियां, भक्त पंडाल सजाने में जुटे

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली निप्र। 3 अक्टूबर से शुरू होने वाले नवदुर्गा उत्सव की सिंगरौली में जोर-जोर से तैयारी चल रही हैं। कोलकाता से आए कारीगर एक तरफ जहां प्रतिमा गढ़ने में जुटे हैं। वहीं दूसरी तरफ शहर के अलग-अलग इलाकों में भव्य पंडाल बनाए जा रहे हैं।

सिंगरौली जिले में मूर्तियां बनाने का मुख्य रूप से कम कोलकाता से आए हुए कारीगर कर रहे हैं। कोलकाता से यहां लगभग 50 परिवार पहुंचे हैं, जो शहर के अलग-अलग हिस्सों में दुर्गा प्रतिमा बनाने में जुटे हैं।

कारीगर बोले- मंहगाई से बढ़े मूर्तियों के दाम: इन्हीं परिवारों में से एक मनीष सिकदर ने बताया कि हम लोग हर साल यहां आते हैं और मूर्ति बनाने का काम करते हैं। लेकिन महंगाई की वजह से इसका असर हमारे पेशे पर भी पड़ रहा है। मिट्टी से लेकर रंग रोगन तक का सारा सामान महंगा हो चुका है। इस वजह से 10 से 20% मूर्तियों के दाम बढ़ जाएंगे।

शहर के अलग-अलग इलाकों में भव्य पंडाल भी बनाए जा रहे हैं। काली मंदिर रोड, बिलौंजी, थाना रोड, पचखोरा और विंध्यनगर रोड में भव्य पंडाल बनाने की तैयारी चल रही है। 9 दिन तक चलने वाले इस उत्सव की तैयारी में जुटे भक्त दुर्गा रानी की उपासना में कोई कोर कसर नहीं छोड़ना चाहते हैं।

जिला अस्पताल में दो डेंगू मरीज मिले

युवक महाराष्ट्र में करते थे काम, तबीयत बिगड़ने पर पहुंचे अनूपपुर

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर निप्र। जिला अस्पताल अनूपपुर में डेंगू के दो मरीजों को गुरुवार को भर्ती कराया गया हैं। दोनों ही मरीजों में डेंगू के लक्षण दिखने के बाद, उन्हें एडमिट कराया गया।

मिली जानकारी के मुताबिक, अंकित पटेल (21) निवासी जैतपुर जिला शहडोल और रामजी केवट (24) निवासी बिजौडी पसला काम करने के लिए महाराष्ट्र गए हुए थे। वहां उनकी तबीयत खराब होने के बाद वह अपने घर अनूपपुर पहुंचे। दोनों युवकों को डेंगू के लक्षण होने के कारण जिला चिकित्सालय अनूपपुर में भर्ती कराया गया। दोनों का इलाज किया जा रहा हैं।

सिविल सर्जन एस बी अवाधिया ने बताया कि जिला अस्पताल में डेंगू के दो मरीज भर्ती हुए हैं। दोनों ही मरीज बाहर काम करते थे। जिला चिकित्सालय में इससे पहले एक भी डेंगू के मरीज नहीं थे। वे अभी स्वास्थ्य है, उनका इलाज किया जा रहा है।

विचार

भारतीय महिलाओं की स्थिति दयनीय क्यों

आज हम भले ही 21वीं सदी में जी रहे हों और कहने को हमने महिलाओं को म दिए हैं। लड़कियां पढ़-लिख भी रही हैं लेकिन आज भी हमारे समाज में महिलाओं को दयनीय स्थिति का सामना करना पड़ता है। अगर धर्म के नजरिए से देखें तो हालात तो सभी धर्मों में महिलाओं के प्रति रूढ़िवादी हैं किताबों में महिलाओं को ऊंचा दर्जा दिया गया है। धार्मिक उपदेश हो या संविधान सब जगह महिलाओं को सम्मान दिया गया है लेकिन यह सिर्फ कागजों में या उपदेशों में ही सीमित है। हमारे पुरुष प्रधान समाज में उत्पन्न विकृत सोच ने महिलाओं को सिर्फ वस्तु बना कर रख दिया है। अगर हम देखें कि आज महिलाओं को किन-किन हालातों से गुजरना पड़ रहा है तो हमारे पुरुष प्रधान समाज के रौंगटे खड़े हो जाएंगे। यौन अपराध दिनों-दिन न सिर्फ बढ़ रहे हैं अपितु इसमें बेहद क्रूरता भी आ गई है। हम महिलाओं को शर्म-हया करने की दुहाई देते हैं लेकिन उन पुरुषों की शर्म हया कहां चली गई जब एक 70 वर्षीय व्यक्ति दुकान पर सामान लेने आई 10 वर्ष की बच्ची को छेड़ता है। एक गर्भवती महिला रो-रोकर अपने गर्भवती होने की दुहाई देती है। लेकिन 3 पुरुष फिर भी उससे बलात्कार करते हैं। उन पुरुषों की मानसिकता की हम पशु से भी तुलना नहीं कर सकते क्योंकि पशुओं में इतनी समझ होती है कि वह भी अपनी गर्भवती साथी को वासना का शिकार नहीं बनाते। लेकिन हम कहां और कितने गिर गए कि हमें इसका अंदाजा भी नहीं है। इस डिजिटल युग में हमारे युवा फेसबुक जैसे माध्यमों से लड़कियों को फंसा कर उनका मानसिक और शारीरिक शोषण करते हैं। इसमें निस्संकोच मैं कहूंगा कि ऐसे युवा अपने धर्म बदल कर दूसरे धर्मों की लड़कियों को शोषित करते हैं जो बाद में झगड़े का कारण भी बनता है। रोजाना अखबारों में इस तरह की खबरें आती रहती हैं। कार्पोरेट सैक्टर हो या फिल्मी हीरोइनें सब जगह यौन शोषण एक आम बात हो गई है और हमारा समाज निरंतर गिरता जा रहा है। एक औरत यौन अपराधों के अलावा कहां-कहां अपमानित नहीं होती। उसे ससुराल में प्रताडऩा झेलनी पड़ती है। अगर ससुराल में लोभी और नीच प्रवृत्ति के लोग उसे मिल जाए। यहां महिलाएं ही महिलाओं का शोषण करती हैं। कहीं सास के रूप में कहीं ननद तो कहीं भाभी के रूप में। मैंने देखा है कि लड़की भले ही कितनी भी पढ़ी-लिखी या गुणी हो लेकिन सास-ननदों के अहं के सामने तो सब बेकार हैं और उस हालत में तो उसके साथ और भी बुरा होता है जब उसका पति भी उसे प्रताड़ित करता हो। घरों में आमतौर पर हम देख सकते हैं कि बहू अगर पढ़ी-लिखी आ जाए तो उसे घमंडी और उद्दंड कहने में सास या ननदें जरा भी नहीं हिचकतीं।

'मेक इन इंडिया' पहल के 10 साल आज पूरे हो गए!

नरेंद्र मोदी

आज आप में से प्रत्येक का अभिनंदन करने का शानदार अवसर है जिन्होंने इस पहल को अत्यंत सफल बनाया है। आप में से प्रत्येक व्यक्ति अग्रणी, दूरदर्शी और अन्वेषक है जिनके अथक प्रयासों से ही 'मेक इन इंडिया' की सफलता सुनिश्चित हुई है, और इस तरह से हमारा देश वैश्विक आकर्षण एवं जिज्ञासा का केंद्र बन गया है। इस अथक सामूहिक प्रयास से ही एक सपने ने एक अत्यंत प्रभावशाली आंदोलन या मुहिम का रूप ले लिया है। यह एक ऐसा अहम प्रयास था जो दस साल पहले इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य के साथ शुरू हुआ था- विनिर्माण में भारत की प्रगति को और तेज करना, और इसके साथ ही यह सुनिश्चित करना कि हमारा जैसा प्रतिभाशाली राष्ट्र केवल आयातक ही नहीं, बल्कि निर्यातक भी बने।

पिछले एक दशक पर विचार करते समय मैं इस बात पर गर्व महसूस किए बिना नहीं रह सकता कि 140 करोड़ भारतीयों की अपार क्षमता और कौशल ने हमें कितना आगे बढ़ा दिया है। 'मेक इन इंडिया' की छाप सभी क्षेत्रों में दिखाई देने लगी है जिनमें वे क्षेत्र भी शामिल हैं जिनमें हमने अपनी अमिट छाप छोड़ने का सपना कभी भी नहीं देखा था।

मैं यहां एक-दो उदाहरण प्रस्तुत करता हूं।

मोबाइल का विनिर्माण... हम सभी यह जानते हैं कि मोबाइल फोन अब कितने अहम हो गए हैं, लेकिन चौंकाने वाली बात यह है कि वर्ष 2014 में हमारे यहां पूरे देश में केवल दो मोबाइल विनिर्माण इकाइयां थीं। आज यह संख्या बढ़कर 200 से भी अधिक हो गई है। हमारे देश से मोबाइल निर्यात मात्र 1,556 करोड़ रुपये से ऊंची छलांग लगाकर 1.2 लाख करोड़ रुपये के आश्चर्यजनक आंकड़े को छूने लगा है - यह 7500त्न की आश्चर्यजनक वृद्धि को दर्शाता है! आज भारत में इस्तेमाल होने वाले 99त्न मोबाइल फोन सही मायनों में 'मेड इन इंडिया' हैं। हम पूरी दुनिया में दूसरे सबसे बड़े मोबाइल निर्माता बन गए हैं। हमारे इस्पात उद्योग पर एक नजर डालें तो हम विशुद्ध रूप से तैयार स्टील के निर्यातक बन गए हैं, जिसका कुल उत्पादन वर्ष 2014 से लेकर अब तक 50त्न से भी अधिक बढ़ गया है। हमारा सेमीकंडक्टर विनिर्माण क्षेत्र 1.5 लाख करोड़ रुपये से भी अधिक का निवेश आकर्षित करने में सफल रहा है, जिसमें पांच संयंत्रों को मंजूरी दी गई है जिनकी संयुक्त क्षमता प्रतिदिन 7 करोड़ से भी अधिक चिप्स की होगी! नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में हम पूरी दुनिया में चौथे सबसे बड़े उत्पादक देश हैं जिसमें कुल क्षमता केवल एक दशक में 400त्न बढ़ गई है। हमारा इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग जोरदार उछाल के साथ 3 अरब डॉलर का हो गया है, जो वर्ष 2014 में तो एक तरह से अस्तित्व में ही नहीं था। रक्षा उत्पादों का निर्यात मात्र 1,000 करोड़ रुपये से ऊंची छलांग लगाकर 21,000 करोड़ रुपये हो गया है, जो अब तो 85 से भी अधिक देशों में पहुंच गया है। 'मन की बात' कार्यक्रम के दौरान, मैंने एक जीवंत खिलौना उद्योग की आवश्यकता के बारे में बात की थी और हमारे लोगों ने दिखाया कि यह कैसे किया जाता है! पिछले कुछ वर्षों में, हमने निर्यात में जहां 239त्न की वृद्धि देखी है, वहीं, आयात आधे से भी कम हो गया है, जिसका विशेष रूप से हमारे स्थानीय विनिर्माताओं और विक्रेताओं को लाभ हुआ है, छोटे बच्चों का तो कहना ही क्या! =)

आज के भारत के कई प्रतीक - हमारी वंदे भारत ट्रेनें, ब्रह्मोस मिसाइलें और हमारे हाथों में मोबाइल फोन - सभी पर गर्व के साथ मेक इन इंडिया लेबल नजर आता है। इलेक्ट्रॉनिक्स से लेकर अंतरिक्ष क्षेत्र तक, इससे भारतीय प्रतिभा और गुणवत्ता का पता चलता है। मेक इन इंडिया पहल इसलिए भी खास है क्योंकि इसने गरीबों को बड़े सपने देखने और आकांक्षाएं के लिए पंख दिए हैं- इसने उन्हें यह विश्वास दिलाया है कि वे वेल्थ क्रिएटर बन सकते हैं। एमएसएमई क्षेत्र पर इसका प्रभाव भी उतना ही उल्लेखनीय है। एक सरकार के रूप में, हम इस भावना को और भी मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारा एक दशक लंबा ट्रैक रिकॉर्ड अपने आप में बहुत कुछ बोलता है। उत्पादन से संबद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाएं गेम चेंजर रही हैं, जिससे हजारों करोड़ रुपये का निवेश संभव हुआ है और लाखों नौकरियां पैदा हुई हैं। हमने व्यापार को आसान बनाने के लिए भी खासे प्रयास किए हैं। आज भारत के पक्ष में बहुत कुछ चल रहा है- हम लोकतंत्र, जनसांख्यिकी और मांग का सही मिश्रण हैं। हमारे पास वो सब कुछ है जो वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में एक प्रमुख खिलाड़ी बनने के लिए आवश्यक हैं और जिन्हें व्यापार के लिए एक विश्वसनीय भागीदार में देखा जाता है। हमारे पास सबसे शानदार युवा शक्ति भी है, जिसके स्टार्टअप की सफलता सभी के सामने है। इस प्रकार, माहौल स्पष्ट रूप से भारत के पक्ष में है। वैश्विक महामारी जैसी अभूतपूर्व चुनौतियों का सामना करने के बावजूद, भारत मजबूती से विकास की राह पर बना हुआ है। आज, हमें वैश्विक विकास के नेतृत्व करने वाले के रूप में देखा जा रहा है। मैं अपने युवा मित्रों से आह्वान करता हूं कि वे आएं और मेक इन इंडिया को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में हमारा साथ दें। हम सभी को उत्कृष्टता के लिए प्रयास करना चाहिए। गुणवत्ता प्रदान करना हमारी प्रतिबद्धता होनी चाहिए। जीरो डिफेक्ट हमारा मंत्र होना चाहिए। हम मिलकर एक ऐसे भारत का निर्माण कर सकते हैं जो न केवल अपनी आवश्यकताओं को पूरा करेगा, बल्कि विश्व के लिए विनिर्माण और नवाचार का केंद्र भी बनेगा।

वन नेशन-वन इलैक्शन के फैसले से फिर बदलने जा रहा इतिहास

हिंदुस्तान का इतिहास वन नेशन-वन इलैक्शन (ओ.एन.-ओ.ई.) के फैसले के मद्देनजर फिर बदलने जा रहा है। इसके वर्ष 2029 के आम चुनावों में लागू होने की पूरी तैयारी है, लेकिन इसके बदलाव की राह सरल नहीं है। तमाम 18 संवैधानिक संशोधनों के बाद यह निर्णय धरातल पर उतरेगा तब निस्संदेह भारत दुनिया का पहला सबसे बड़ा लोकतंत्र होगा, जिसके 96.88 (अभी तक के) करोड़ वोटर एक ही साथ लोकसभा व विधानसभा के लिए अपने नुमाइंदे तय करेंगे। करीब 12 लाख से ज्यादा पोलिंग बूथ होंगे और डेढ़ करोड़ पोलिंग अफसर 100 दिनों में यह प्रक्रिया एक साथ पूरी करेंगे। लेकिन धरातल पर उतारने के लिए केंद्र को सभी के साथ के साथ ही 18 बड़े संशोधनों की अग्नि परीक्षा से गुजरना होगा। वर्तमान में एन.डी.ए. व पूर्व में भाजपा की मोदी सरकार का यह फैसला करीब 10 वर्ष पहले हो गया था जब तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी ने 2017 में गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर देश को संबोधित करते हुए यह बात कही थी। चुनाव सुधारों के दृष्टिगत यद्यपि यह व्यावहारिक निर्णय है। अधिक आबादी वाले इस देश में चुनाव खर्च को घटाना फायदेमंद होगा। परन्तु इसे लागू करने में कई चुनौतियों से निपटना होगा। वन नेशन वन इलैक्शन (ओ.एन.ओ.ई.) की संस्तुति पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की कमेटी ने कर दी है और कैबिनेट की मंजूरी के साथ ही धीरे-धीरे आगे बढ़ रही है। समानांतर चुनाव लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के करवाने की नई अवधारणा भारत में नहीं है। पहले भी चौथी लोकसभा यानी 1967 तक यही सिस्टम लागू था। लेकिन जब केरल राज्य में कम्युनिस्ट पार्टी की सरकार को हटा दिया तब उस राज्य में शासन के 3 वर्ष और बचे थे। इसके बाद राज्यों में सरकारें बर्खास्त भी होती रहीं, बहुमत भी खोती रहीं। इस तरह एक सभा के जो चुनाव होने थे वह नहीं हुए। धीरे-धीरे 18वीं लोकसभा के जो चुनाव होने थे, वह नहीं हुए। 18वीं लोकसभा-2024 तक यह होने लगा कि हर साल कोई न कोई चुनाव होते रहे और केंद्र सरकार व राजनेता इन्हीं चुनावों में लिप्त होने के कारण, वांछित सुधार नहीं कर पाए। पैसे भी ज्यादा खर्च होने लगे। हालिया उदाहरण लें तो वर्ष 2024 में लोकसभा के साथ ही आंध्रप्रदेश, अरुणाचल प्रदेश व सिक्किम में चुनाव हुए। इनके बीतते ही हरियाणा व जम्मू कश्मीर में आ गए। कुछ महीनों बाद दिल्ली समेत अन्य राज्यों के भी हैं। इस नई व्यवस्था को बनाने की जरूरत क्यों है, क्या पेचीदगियां हैं, भिन्न दलों के तर्क क्या-क्या हैं?

कानूनी पेंच क्या है, इन सभी ङ्क्षबदुओं का खुलासा इस लेख में बताने का प्रयास होगा, जो चुनाव आयोग की वैबसाइट कमेटी रिपोर्ट व पी.आई.बी. लेखों के साथ ही मीडिया रिपोर्टों पर आधारित है। ओ.एन.ओ.ई. पर पक्ष व विपक्षी तर्क अलग-अलग है। पक्ष की दलील है कि खर्च बचेगा, सरकारी मशीनरी की बचत व आमजन को सुविधा होगी। कोड आफ कंडक्ट की वजह से सरकारी काम काज बार-बार नहीं रुकेगा।

संरक्षित हों तीर्थस्थल की हिन्दू वंशावलियों की पंजिका

अशोक मधुप

हिंदू तीर्थस्थल धार्मिक मान्यताओं और पूजन अर्चन के लिए विख्यात है। इन सब कार्य को इन स्थलों के ब्राह्मण पंडित कराते हैं। ये ब्राह्मण पंडित पंडा कहे जाते हैं। ये पंडा सदियों से एक कार्य करते और कराते आ रहे हैं। ये पंडा अपने पास आने वाले यजमान (भक्तों) के परिवार का इतिहास अपनी बहियों में संजोते जा रहें हैं। ये काम सदियों से अनवरत रूप से जारी है। ये हिन्दू वंशावलियों की पंजिकाएं ऐतिहासिक धरोहर हैं। आज इनके संरक्षण की आवश्यक्ता है। इनके संजोकर रखने की जरूरत है। हिंदू परिवारों को इस बारे में बहुत कम या न के बराबर जानकारी है। उन्हें पता भी नही कि इन स्थानों पर उनके परिवार का इतिहास संग्रहित है। सदियों से बहियों में ये रिकार्ड व्यापारी के खाते की तरह लिखकर रखा जा रहा है। अधिकतर भारतीयों व वे परिवार जो विदेश में बस गए उनको आज भी पता नहीं कि इन तीर्थस्थल की पंडो की बहियों में उनके परिवार की वंशावली दर्ज है। हिन्दू परिवारों की पिछली कई पीढ़ियों की विस्तृत वंशावलियां इन पंडा के पास संग्रहित हैं। ये पंडा आने वाले यजमान से उसके परिवार की जानकारी नोट करने के बाद उसके हस्ताक्षर कराकर बही में अपने पास रखते हैं। ये पंडा ये बहियां अपनी आने वाली अपनी पीढ़ी को सौंपते जाते हैं। ये बहियां जिलों व गांवों के आधार पर वर्गीकृत की गयीं हैं। प्रत्येक जिले की पंजिका का विशिष्ट पंडित होता है। यहाँ तक कि भारत के विभाजन के उपरांत जो जिले व गाँव पाकिस्तान में रह गए व हिन्दू भारत आ गए उनकी भी वंशावलियां यहाँ हैं। कई स्थितियों में उन हिन्दुओं के वंशज अब सिख हैं, तो कई के मुस्लिम अपितु ईसाई भी हैं। किसी-किसी की सात वंश या उससे भी ज्यादा की जानकारी पंडों के पास रखी इन वंशावली पंजिकाओं से होना साधारण सी बात है।

शताब्दियों पूर्व से हिन्दू पूर्वजों ने हरिद्वार या किसी पावन नगरी की यात्रा की/ तीर्थयात्रा के लिए या/ शव-दाह या स्वजनों के अस्थि व राख का गंगा जल में किया होगा तो वे संबद्ध पंडा के पास गए होंगे। ये पंडा इन आने वालों के रहने खाने तक की व्यवस्था करते हैं। इन पंडाओं ने अपनी पंजिका में वंश-वृक्ष को संयुक्त परिवारों में हुए सभी विवाहों, जन्म व मृत्युओं के विवरण दर्ज किया हुआ हैं। वर्तमान में धार्मिक स्थल पर जाने वाले भारतीय हक्के-बक्के रह जाते हैं जब वहां के पंडित उनसे उनके अपने वंश-वृक्ष को नवीनीकृत कराने को कहते हैं। आजकल जब संयुक्त हिंदू परिवार का चलन ख़त्म हो गया है। लोग एकल परिवारों को तरजीह दे रहे हैं, ये पंडित चाहते हैं कि आगंतुक अपने फैले परिवारों के लोगों व अपने पुराने जिलों- गाँवों, दादा- दादी के नाम व परदादा-परदादी और विवाहों, जन्मों और मृत्यु, परिवारों में हुए विवाह आदि की पूरी जानकारी के साथ वहां आएं। आगंतुक परिवार के सदस्य को

सभी जानकारी नवीनीकृत करने के उपरांत वंशावली पंजीका को भविष्य के पारिवारिक सदस्यों के लिए व प्रविष्टियों को प्रमाणित करने के लिए हस्ताक्षरित करना होता है। साथ आये मित्रों व अन्य पारिवारिक सदस्यों से भी साक्षी के तौर पर हस्ताक्षर करने की विनती की जा सकती है। इन तीर्थ स्थल के पुरोहितों के पास देश और दुनिया भर के यजमानों का दशकों पुराना लिखित रिकॉर्ड वंशावली के रूप में मौजूद है। किसी यजमान के आने पर चंद मिनटों में ही संबंधित पुरोहित कंप्यूटर से भी तेज गति से वंशावली देखकर उनके पूर्वजों की जानकारी दे देते हैं। पितृ पक्ष के दौरान इन तीर्थ स्थल पर आने वाले लोग अपने तीर्थ पुरोहितों के पास आकर वंशावली में अपने वंश के बारे में जरूर जानते हैं। ये पडे जनपद के हिसाब से हैं। तीर्थ स्थल में पहने वालों को पता है कि किस जनपद के पंडा कौन हैं। किसी दूसरे के यजमान को कोई अन्य पंडा खुद क्रिया-कर्म नहीं कराता। संबधित जिले के पंडा के पास उसे भेज देता है। शताब्दियों से हो रहा ये लेखन भोज पत्रों और ताम्र पत्रों के बाद अब कागज की बहियों पर शुरू किया गया। तीर्थ पुरोहितों के पास सैकड़ों वर्ष पुरानी बहियां आज भी सुरक्षित हैं। तीर्थ पुरोहितों की बहियों में देश भर के राजाओं, महाराजाओं, साधु, संतों, राजनेताओं एवं आम लोगों के परिवारों के वंश लेखन बहियों में मौजूद हैं। अकेले हरिद्वार में 30 हजार से अधिक की संख्या में वंशावली की बहियां सुरक्षित और संरक्षित हैं। इन बहियों में लेखन करने के लिए अलग स्याही तैयार करके तीर्थ पुरोहित वही लेखन करते हैं, जो काफी वर्षों तक सुरक्षित रहती है। इन वंशावलियों में जातियों, गोत्रों, उपगोत्रों का भी जिक्र रहता है। सबसे अहम बात इन बहियों में देखने को मिलती हैं कि तीर्थ पुरोहितों ने लेखन को भेदभाव से दूर रखा है। जहां राजाओं, महाराजाओं की वंशावलियां जिस क्रम में अंकित हैं, उसी क्रम में तीर्थ नगरी में पहुंचने वाले अन्य श्रद्धालुओं की हैं। विभिन्न राजवंशों की मुद्रांए, हस्त लेखन, दान पत्र, अंगूठे और पंजों के निशान बहियों में मौजूद हैं। यहां की वंशावलियों में देश की कई रियासतों के राजाओं के आने के उल्लेख दर्ज हैं। अक्तूबर 2007 में हमें इंडियन वर्किंग जर्नलिस्ट की एक कांफ्रेंस में बद्रीनाथ जाने का अवसर मिला। मेरे साथ गए मेरे दोस्त नरेंद्र मारवाड़ी भी थे। हम मारवाड़ी के साथ बद्रीनाथ में, अजमेर के महावर वालों की धर्मशाला में चले गए। ये मारवाड़ी के परिवारवालों की धर्मशाला हैं। वहां पंडित जी से बात की। वंशानुक्रम के बारे में बताया। बात करते-करते पंडित जी ने अपनी बही खोलकर उनके गोत्र का विवरण खोला तो पता चला कि मारवाड़ी के पिता जी 41 वर्ष पूर्व यहां यात्रा को आए थे। यात्रा को आने के बाद हुए उनके दो बच्चों का विवरण दर्ज नहीं थे। पंडित जी ने बही देखकर बताया कि 93 साल पूर्व उनके दादा जी बद्रीनाथ आए थे।

21 लाख के हीरे, सोने-चांदी के जेवरात चोरी

अंतरराज्यीय चोर गिरोह का एक मेंबर गिरफ्तार, पुलिस ने बैंक खाते से निकाला लोकेशन

मीडिया ऑडीटर, भिलाई एजेंसी। दुर्ग पुलिस ने 21 लाख की चोरी का पर्दाफाश किया है। चोरी की वारदात को अंतरराज्यीय चोर गिरोह ने अंजाम दिया था। पुलिस गिरोह के एक सदस्य को गिरफ्तार किया है। मामला स्मृति नगर चौकी के स्मृति नगर का है।

भिलाई नगर एसपी सत्य प्रकाश तिवारी ने बताया कि थाना सुपेला के स्मृति नगर निवासी विवानव यादव (45र्ष) ने 3 अगस्त को चोरी की शिकायत दर्ज कराई थी। उसने बताया कि दोपहर डेढ़ बजे से तीन बजे के बीच उसके मकान नंबर सी 204, 205 सड़क 19 स्मृतिनगर में चोरी हुई है।

ताला तोड़कर घर में घुसे चोरः इस दौरान किसी चोर ने सूने घर का फायदा उठाकर घर का ताला तोड़ा। घर के अंदर से सोने, चांदी, हीरे के आभूषण, तिजोरी, लॉकर की चाबियां और 43 हजार रुपए कैश समेत करीब 21 लाख रुपए का माल चोरी कर लिया। इतनी बड़ी चोरी को पकड़ना पुलिस के लिए चैलेंज था।

एसपी जितेंद्र शुक्ला ने इसके लिए एसीसीयू और सुपेला और स्मृति नगर पुलिस की टीम बनाई। एएसपी सुखनंदन राठौर और भिलाई नगर सीएसपी सत्यप्रकाश तिवारी के मार्गदर्शन में टीम ने पतासाजी की। इस दौरान पुलिस को एक आरोपी का बैंक खाता मिला।

मोबाइल नंबर को निकालकरः खाते से लिंक मोबाइल नंबर को निकालकर जब उसका लोकेशन लिया गया। उसका लोकेशन बाफना टोल प्लाजा के पास वाईपास रोड दुर्ग आया। पुलिस ने तुरंत टीम बनाकर उसकी घेराबंदी की। वहां से एक आदमी संदिग्ध हालत में गिरफ्तार किया गया।

पूछताछ करने पर उसने अपना नाम फैजान मलिक बताया। उसने बताया कि वो पूर्व में गिरफ्तार आरोपी दिलशेर अली और अरमान मलिक, फहीम उर्फ फइम, फइम की खाला रुकसाना का साथी है। उन लोगों ने योजना बनाकर स्मृति नगर के मकान में चोरी की है।

पुलिस ने आरोपी फैजान मलिक के कब्जे से घटना में उपयोग इ्ङ्क कार, 3 मोबाईल और मोबाइल की रसीद को जब्त किया है। अन्य आरोपियों की तलाश पुलिस कर रही है।

तेज बारिश में बह गया पुल-सड़क

बिजली गिरने से किसान की मौत, 3 घायल, बिलासपुर-सरगुजा सहित कई जिलों में बरसात

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ के कोरबा में बिजली गिरने से किसान की मौत हो गई और परिवार के तीन लोग झुलस गए। जशपुर में तेज बारिश से सोनक्यारी में बना पुल और सड़क बह गए। जिससे पंडरसिल्ली, दबदरा, तालसिली सहित दर्जनों गांव का संपर्क टूट गया है।

जिले में देर रात से हो रही तेज बारिश से कई नदी-नाले उफान पर हैं। बिलासपुर, जशपुर और सरगुजा में भी सुबह बारिश हुई। वहीं गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में देर रात से बारिश जारी है। रायपुर में भी सुबह बौछारें पड़ीं, दुर्ग-भिलाई में बादल छाए हुए हैं।

मौसम विभाग ने आज उत्तर छत्तीसगढ़ में गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना जताई है, इस दौरान कहीं-कहीं बिजली भी गिर सकती है।

कोरिया, सूरजपुर, सरगुजा, जशपुर और रायगढ़ जिले के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक 27 सितंबर के बाद से प्रदेशभर में मानसून की एक्टिविटी कम होती जाएगी।

बरमकेला (सारंगढ़-बिलाईगढ़) में सबसे ज्यादा बरसा पानीः बुधवार (25 सितंबर) को प्रदेश में मानसून सक्रिय रहा, प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हुई। इसमें सबसे ज्यादा सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के बरमकेला में 9 मिमी बारिश हुई है।

बिलासपुरः गरज चमक के साथ गिर सकती है बिजलीः छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में मानसूनी सिस्टम सक्रिय होने से गुरुवार की सुबह चार बजे जमकर बरसात हुई। सुबह से आसमान में काली घटाओं के साथ रिमझिम बारिश हो रही है।

गरज-चमक के साथ बिजली गिरने की आशंका है। बुधवार को भी दिनभर रिमझिम बरसात की झड़ी लगी रही। इस दौरान 6.4 मिमी वर्षा हुई।

चाकू की नोक पर कार की लूट

टीपाखोल घूमने के नाम से कराए थे बुकिंग, गले में चाकू टिकाया, कट गई उंगली

मीडिया ऑडीटर, रायगढ़ एजेंसी। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में 2 युवकों ने बुकिंग कराकर कार लूट ले गए। बताया जा रहा है कि 2 लुटेरों ने ड्राइवर के गले में चाकू अड़ाकर लूट की वारदात को अंजाम दिया है। वारदात के बाद पुलिस ने अपराध दर्ज कर लिया है। मामला कोतरा रोड थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के मुताबिक सोनकर पारा निवासी पंकज सिंह (39) अपनी कार को रायगढ़ रेलवे स्टेशन से किराए पर चलाते हैं। बुधवार की दोपहर को 2 युवक 25-30 साल के उसके पास आए। टीपाखोल घूमने जाने के नाम पर कार बुकिंग कराई।

आरोपियों ने गले पर अड़ा दिया चाकूः इस दौरान पंकज अपना कार खुद चला रहा था। इस दौरान ड्राइवर सीट के बगल में एक युवक बैठा। दूसरा पीछे की सीट पर बैठ गया। जब वे टीपाखोल पहुंचे। इस दौरान पीछे बैठा युवक चाकू उसके गले पर अड़ा दिया। चाकू के वार से बचने के लिए पंकज चाकू अपने हाथों से चाकू पकड़ा, पर उन्होंने उस पर वार कर दिया।

इससे उसकी उंगलियों में चोट पहुंची। युवकों ने कार का गेट खोलकर उसे बाहर धकेल दिया। दोनों युवक कार को लेकर मौके से फरार हो गए।

सीसीटीवी फुटेज से आरोपियों का रूट पता चलाः पुलिस ने बताया कि वारदात के बाद रेलवे स्टेशन सहित अन्य जगहों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। आरोपियों के रूट का पता चला। इसके बाद जिले के अन्य थाना सहित दूसरे जिले के पुलिस को भी जानकारी दी गई। जगह-जगह नाकेबंदी की गई।

जैजेपुर रोड पर मिली कारः पुलिस ने बताया कि लगातार संभावित जगहों पर जांच की जा रही थी। ऐसे में आरोपियों ने कार को बाराद्वार-जैजेपुर मार्ग पर छोड़कर फरार हो गए। जहां पुलिस को जैजेपुर रोड पर कार खड़ी मिली, जिसे पुलिस ने बरामद कर लिया है। आरोपियों की पतासाजी की जा रही है।

पंडो जनजाति के 7 लोगों की मौत, मृतकों में 3 महिलाएं, 2 बच्चे शामिल

खून की कमी-बुखार, प्रसव के दौरान गई जान

मीडिया ऑडीटर, बलरामपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर में 14 दिनों में पंडो जनजाति के 7 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 3 महिलाएं, 2 पुरुष और 2 बच्चे शामिल हैं। बताया जा रहा है कि इनकी मौत खून की कमी, बुखार और प्रसव के दौरान हुई है। यह इलाका आदिवासी जनजाति विकास मंत्री राम विचार नेताम का गृह क्षेत्र है। आदिवासियों की मौत पर सर्व विशेष पिछड़ी जनजाति समाज कल्याण समिति ने सरगुजा कमिश्नर जीआर चुरेंद्र और और स्वास्थ्य संयुक्त संचालक अनिल शुक्ला को पत्र लिखा है। इसमें आरोप लगाया गया है कि स्वास्थ्य सुविधाओं में कमी के चलते लोगों की जान जा रही है।

समिति अध्यक्ष बोले- कागजों में चल रही योजनाएंः सर्व विशेष पिछड़ी जनजाति सामज कल्याण समिति के प्रदेशाध्यक्ष उदय पंडो ने आरोप लगाया है कि स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी और योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही बरती गई है, जिससे लोगों की जान गई। रामचंद्रपुर ब्लॉक में पंडो समाज के लोगों की असमय मौत से समाज चिंतित है।

सर्व पंडो समाज के अध्यक्ष उदय पंडो ने 7 मौतों की जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि मौतें अलग-अलग कारणों से हुई हैं। उदय पंडो ने आरोप लगाया है कि प्रसव के दौरान हुई मौतों के मामले में इलाज में लापरवाही की गई है। खून की कमी से मौत होना चिंताजनक है। मुख्यमंत्री की 11 सूत्रीय योजनाएं कागजों में चल रही हैं। उदय कुमार पंडो ने कहा कि पंडो समाज के लोगों के लिए शासन की विभिन्न योजनाओं के बाद भी विशेष संरक्षित जनजाति के लोगों की मौत दुखद है। हमने संभाग और जिला स्तर के अधिकारियों को लिखित में शिकायत की है। बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की है।

शिकायत मिली है, जांच करा रहे हैंः संयुक्त संचालक स्वास्थ्य डॉ. अनिल शुक्ला ने कहा कि एक ज्ञापन मिला है। इसका परीक्षण कराया जा रहा है। बेहतर से बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश पहले से ही दिए जा चुके हैं। स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

कलेक्टर ने कहा- लापरवाही मिली तो होगी कार्रवाईः बलरामपुर कलेक्टर आर एक्का ने कहा कि जिला प्रशासन ने पंडो जनजाति के सदस्यों की मौत के कारणों की जांच शुरू कर दी है। जांच एसडीएम, तहसीलदार, और सीएमएचओ कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कुछ मौत संभाग मुख्यालय के अस्पताल में भी हुई है, जिसकी जानकारी प्रशासन ने मांगी है। किसी की लापरवाही मिली तो कार्रवाई होगी।

गला दबाकर बीवी को मार डाला

हत्या के बाद रात भर लाश के पास कमरे में बैठा रहा पति, सुबह बेटे को बताया

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर निप्र। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में पत्नी से विवाद होने पर पति ने गला दबाकर उसकी हत्या कर दी, जिसके बाद आरोपी पति रात भर अपनी पत्नी की लाश के पास बैठा रहा। सुबह जब उसके बेटे ने दरवाजा बंद देखा, तब अंदर बैठे उसके पिता ने मां की हत्या करने और पुलिस को बुलाने के लिए कहा। हत्या की वारदात चरित्र शंका के चलते हुई है। घटना रतनपुर थाना क्षेत्र की है।

जानकारी के अनुसार ग्राम कर्रा निवासी घासीराम यादव (75) खेती-किसानी करता है। घर में वह अपनी पत्नी पुनीता यादव (55) के साथ रहता है। साथ ही घर में उसका बेटा कृष्णा और बहू भी रहते हैं।

पत्नी की हत्या कर रात भर बैठा रहा पतिः बुधवार की रात घासीराम उसकी पत्नी और परिवार के सदस्य खाना खाने के बाद कमरे में सो गए। इस दौरान घासीराम और उसकी पत्नी पुनीता अलग कमरे में सो रहे थे। गुरुवार की सुबह जब कृष्णा यादव की नींद खुली, तब तक उसके पिता घासीराम और मां के कमरे का दरवाजा नहीं खुला था, तब वह झांककर देखने लगा। कृष्णा को देखकर घासीराम ने कहा कि तेरी मां को मार दिया हूं, पुलिस को बुलाकर लाओ।

आरोपी बोला- कैरेक्टर पर शक, इसलिए मार डालाः इस घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने आरोपी घासीराम को हिरासत में लेकर पूछताछ की, तब उसने बताया कि उसकी पत्नी के साथ आए दिन विवाद होता था। उसकी गतिविधियां ठीक नहीं थी। इधर-उधर जाने से मना करने पर विवाद करती थी। गुरुवार की रात भी उसके साथ विवाद हुआ, तब उसने गला दबाकर उसकी हत्या कर दी।

टीकाकरण से चौथे बच्चे की मौत

3 माह की मासूम ने तोड़ा दम, सीएमएचओ बोले- गले में फंसा मिला दूध

मीडिया ऑडीटर, सरगुजा एजेंसी। छत्तीसगढ़ में टीकाकरण के बाद चौथे बच्चे की मौत हुई है। सरगुजा में मंगलवार को 3 महीने की बच्ची को टीका लगा और बुधवार को उसकी जान चली गई। मौत पर सरगुजा सीएमएचओ डॉ. प्रेम सिंह मार्को ने कहा कि बच्चे की सांस नली और गले में दूध फंसा मिला है। बिसरा और ब्लड सैंपल प्रिजर्व किया गया है। इसके पहले बिलासपुर में 2 और गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में टीका लगने के 36 घंटे के अंदर 1 बच्चे की मौत हुई थी। जीपीएम में टीके से मौत की बात को जांच समिति ने खारिज कर दिया था ,जबकि परिजनों ने कहा था कि रिपोर्ट झूठी है।

परिजन बोले- टीकाकरण के बाद बच्चे की मौतः जानकारी के मुताबिक, मैनपाट ब्लॉक के परपटिया निवासी सहत राम मझवार और फूलमती के 3 महीने की बच्ची रानी का मंगलवार को ढोढ़ीटिकरा के आंगनबाड़ी केंद्र में टीकाकरण किया गया था। टीकाकरण के बाद बच्ची को बुखार आ गया।

बुखार के बाद सुबह-सुबह बच्ची की मौतः परिजनों ने टीकाकरण के बाद बच्चे की मौत हो जाने की जानकारी दी। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और स्वास्थ्य अमले को बताया कि बुधवार तड़के करीब 3.30 बजे बच्ची की मौत हुई है। स्वास्थ्य अमले ने इसकी जानकारी सरगुजा सीएमएचओ को दी।

टीकाकरण के बाद अन्य बच्चे सामान्यः मैनपाट के ढोढ़ीटिकरा आंगनबाड़ी केंद्र में मंगलवार को 7 बच्चों को पेंटावेलेंट वैक्सीन लगाया गया था। स्वास्थ्य अमले ने अन्य बच्चों के परिजनों से भी संपर्क किया। अन्य बच्चों को सामान्य बुखार आया था, जिनकी हालत बुधवार को सामान्य बताई गई है। केवल फूलमती की बच्ची की ही मौत हुई है।

टीकाकरण में लापरवाही बरती गईः बच्ची के पिता सहत राम मझवार ने कहा कि उनके 3 बच्चे थे, जिनमें एक बेटी की मौत हो गई। टीकाकरण में लापरवाही बरती गई है। पिता ने कहा कि इसकी जांच होनी चाहिए। उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। बच्ची को 2 टीके लगाए गए हैं।

सीएमएचओ बोले- दूध फंसने से मौतः सरगुजा सीएमएचओ डॉ. प्रेम सिंह मार्को ने कहा कि पोस्टमॉर्टम के दौरान बच्चे की नाक और सांस नली में दूध फंसा मिला। आशंका है कि बच्चे के रोने पर रात को मां ने दूध पिलाया था। इस उम्र के बच्चों को दूध पीने के बाद उल्टी हो जाती है। आशंका है कि दूध सांस की नली में फंसने से उसकी मौत हुई है।

स्वास्थ्य विभाग ने किया राज्यस्तरीय टीम का गठनः मामले में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा था कि, वैक्सीनेशन से 6 बच्चे सुरक्षित हैं। उसी बैच की वैक्सीन से 9000 टीकाकरण पहले भी हुआ। इसमें किसी प्रकार की शिकायत नहीं आई थी। जांच का विषय है कि, 2 बच्चों की मौत क्यों हुई, इसके लिए राज्यस्तरीय दल का गठन किया है।

कार्यालय भवन निर्माण हेतु दावा आपत्ति 03 अक्टूबर तक

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। सर्वसाधारण जनता ग्राम चैनपुर रा.नि.म. ग्रामीण तहसील मनेंद्रगढ़ जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (छ.ग.) को सूचित किया जाता है कि न्यायालय कलेक्टर जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के रा.प्र.क्र.202408330100008/अ-19 (3)/ 2023-24 पक्षकार कार्यालय पुलिस विभाग जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के द्वारा ग्राम चैनपुर स्थित भूमि खसरा नं. 288/1 रकबा 0.709, 288/3 रकबा 0.21, 289/1 रकबा 0.979, 294/1 रकबा 3.257, 294/3 रकबा 0.526, 295/1 रकबा 2.517 हे. कुल रकबा 8.198 हे. भूमि कार्यालय भवन निर्माण हेतु आबंटित किये जाने हेतु पत्र प्राप्त हुआ हैं जो जांच हेतु इस कार्यालय को प्राप्त हुआ है। उक्त भूमि आबंटन में यदि कोई भी जनता अपना आपत्ति/ दावा प्रस्तुत करना चाहते है तो 03 अक्टूबर 2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। बाद में प्राप्त आपत्ति/दावा पर किसी भी प्रकार का विचार नहीं किया जायेगा।

''बहादुर कलारिन सम्मान'' वर्ष 2024 के लिए प्रविष्टियां आमंत्रित

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा महिलाओं के उत्पीड़न के खिलाफ संघर्ष, नारी उत्थान हेतु अभूतपूर्व कार्य करने वाली राज्य की महिलाओं को प्रोत्साहित करने की दृष्टि से प्रतिवर्ष "बहादुर कलारिन सम्मान" प्रदान किया जाता है इसके तहत एक महिला को 2.00 लाख रू. की राशि तथा प्रशस्ति पट्टिका सम्मान के रूप में प्रदान किए जाने का प्रावधान है। उपरोक्त विषय के संबंध में विस्तृत जानकारी कार्यालय जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग से भी प्राप्त कर सकते हैं। पात्र अभ्यर्थी अपना आवेदन 10 अक्टूबर 2024 तक कार्यालय जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में जमा कर सकते हैं।

58 साल के बुजुर्ग ने लगाई फांसी

बाजार में लटकती मिली लाश, हत्या या आत्महत्या, दोनों एंगल से जांच कर रही पुलिस

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। राजधानी रायपुर में 58 साल के बुजुर्ग ने फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली है। पुरानी बस्ती के टूरी-हटरी बाजार में बुजुर्ग की लाश रस्सी में लटकती हुई मिली। पुलिस इस मामले में हत्या और आत्महत्या दोनों एंगल से जांच कर रही है। हालांकि पुलिस के शरीर में किसी भी तरह के चोट के निशान नहीं मिले हैं। मामला पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र का है।

पुरानी बस्ती पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, मृतक की पहचान अरुण विश्वकर्मा (58) के तौर पर हुई है। मृतक अपने परिवार के साथ लाखे नगर में रहता था। वह बीमार रहता था। बीते कई दिनों से उसे शरीर में दर्द की शिकायत थी, उसका इलाज चल रहा था। पुलिस को पूछताछ में पता चला कि वह कई बार ऐसे ही घर से बिना बताए निकल जाता था और घूमते रहता था।

शरीर पर चोट के निशान नहीं मिलेः गुरुवार को सुबह 7 बजे के करीब पुरानी बस्ती क्षेत्र के टुरी-हटरी के बाजार के पास लोगों ने लाश लटकी देखी तो पुलिस को सूचना दी गई। इसके बाद पुलिस से मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की है। पुलिस को मृतक के शरीर में किसी भी प्रकार की चोट नहीं मिली है। हालांकि यह मामला हत्या या आत्महत्या का यह पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद साफ हो जाएगा।

फोर्टिफाइड चावल से दूर होगी कुपोषण और एनीमिया की समस्या

खाद्य विभाग ने की राईस मिलरों की बैठक

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। जिले के कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष में खाद्य विभाग द्वारा राईस मिलरों की प्रशिक्षण कार्यशाला की महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य छत्तीसगढ़ में कुपोषण और एनीमिया जैसी समस्याओं को दूर करने के लिए फोर्टिफाइड चावल के महत्व पर चर्चा करना था। वर्ल्ड फ़ूड प्रोग्राम के सीनियर प्रोग्राम एसोसिएट श्री अरुणांशु गुहठकुरता ने बताया कि राज्य के विभिन्न हिस्सों में कुपोषण और एनीमिया एक बड़ी समस्या है, जिसे फोर्टिफाइड चावल के माध्यम से नियंत्रित किया जा सकता है। इस चावल में विटामिन ए, विटामिन बी 1, विटामिन बी 12 , फोलिक एसिड, आयरन और जिंक जैसे आवश्यक पोषक तत्वों का मिश्रण होता है, जो शरीर को स्वस्थ रखने में सहायक होते हैं। विशेषज्ञों ने कहा कि फोर्टिफाइड चावल पोषण का एक सशक्त स्रोत है, जो बच्चों और महिलाओं में पोषण की कमी को पूरा कर सकता है। राज्य सरकार ने इस चावल को सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत वितरित करने की योजना बनाई है, ताकि यह समाज के कमजोर वर्गों तक पहुंच सके। बैठक में उपस्थित मिलरों से अपील की गई कि वे फोर्टिफाइड चावल के उत्पादन और वितरण में सहयोग करें, जिससे इस पहल को सफल बनाया जा सके। खाद्य विभाग के अधिकारियों ने कहा कि इस कदम से छत्तीसगढ़ में कुपोषण और एनीमिया की समस्या को बड़े पैमाने पर नियंत्रित किया जा सकेगा, और समाज को स्वस्थ और समृद्ध बनाने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल साबित होगी।

महिला इंजीनियर से जूनियर ने की 36 लाख की ठगी

अधिक रिटर्न का लालच देकर बिटकॉइन में कराया निवेश, आरोपी पर एफआईआर

मीडिया ऑडीटर, भिलाई एजेंसी। दुर्ग के भिलाई में एक महिला इंजीनियर ठगी का शिकार हो गई। उसके ही जूनियर ने ठगा है। अधिक रिटर्न का लालच देकर बिटकॉइन में इनवेस्ट कराया। 36 लाख 15 हजार रुपए की ठगी कर ली। मामला स्मृति नगर थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार स्मृति नगर निवासी वैष्णवी नायर (30) ने धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कराई है। अपनी शिकायत में उसने बताया कि उसने 2016 में बीआईटी कॉलेज दुर्ग से इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर ग्रेजुएशन किया है। कॉलेज में तन्मय विनोद कोहाड़ उसका जूनियर था। वह उसे 2014 से जानती थी। जूनियर होने के कारण वह उसे अच्छे से जानती थी।

वैष्णवी से कहीं नौकरी दिलाने की रिकवेस्ट कीः महिला इंजीनियर ने बताया कि 2019 में अचानक एक दिन तन्मय विनोद का उसके मोबाइल में फोन आया। उसने वैष्णवी से कहीं नौकरी दिलाने की रिकवेस्ट की। वैष्णवी ने उसे बताया कि अभी उसके लायक कहीं जॉब नहीं है जैसे ही मिलेगी वो उसे बता देगी। इसके बाद अगस्त 2020 में तन्यम ने वैष्णवी को फिर से कॉल किया। उसने बताया कि उसने बिटकॉइन में इनवेस्ट किया है। उसे उससे अच्छा रिटर्न मिला है। उसने वैष्णवी को भी ऑफर किया कि अगर वह भी बिटकॉइन में इनवेस्ट करेंगी तो वो उसे अच्छा रिटर्न दिलवा सकता है।

वैष्णवी उसकी बातों में आ गई। 10 अगस्त 2020 को उसके खाते में 7800 रुपए पेटीएम कर दिए। इस पर तन्मय ने उसे 6500 रुपए रिटर्न दिया। उसने कहा कि अलग वह और अधिक इनवेस्ट करेंगी तो उससे लाखों का मुनाफा होगा।

इसके बाद वैष्णवी लालच में आ गई और धीरे धीरे करके उसने 36.15 लाख रुपए इनवेस्ट तो किए, लेकिन उसका मूलधन भी नहीं लौटा। इसके बाद उसने तन्मय के खिलाफ ठगी का मामला दर्ज कराया।

पूर्व ट्रेनी आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर की जमानत पर दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई टली

नई दिल्ली (एजेंसी)। बर्खास्त ट्रेनी आईएएस पूजा खेडकर की अंतरिम जमानत याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई फिर से टल गई है। वकीलों ने कोर्ट में अपना पक्ष रखने के लिए और समय मांगा है, और अब इस मामले की सुनवाई 4 अक्टूबर को होगी। इस बीच, पूजा खेडकर को गिरफ्तारी से राहत मिलती रहेगी।

पहले 5 सितंबर को हुई सुनवाई में पूजा ने कोर्ट को बताया था कि वह अपनी विकलांगता की जांच एम्स में कराने के लिए तैयार हैं। 4 सितंबर को दिल्ली पुलिस ने हाईकोर्ट को एक स्टेटस रिपोर्ट पेश की थी, जिसमें कहा गया था कि पूजा द्वारा यूपीएससी में जमा किए गए दो विकलांगता प्रमाणपत्रों में से एक फर्जी हो सकता है।

सुनवाई के दौरान जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद ने बताया कि पुलिस ने मामले में और जांच के लिए 10 दिन का समय मांगा है, जिसके चलते सुनवाई स्थगित की गई। इसके अतिरिक्त, 19 सितंबर को दिल्ली हाईकोर्ट ने यूपीएससी की तरफ से दाखिल की गई याचिका पर नोटिस जारी किया और पूजा को 26 सितंबर तक जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। यूपीएससी ने पूजा खेडकर पर झूठे दस्तावेज प्रस्तुत करने का आरोप लगाया है और कार्रवाई की मांग की है।

बेंगलुरु महालक्ष्मी मर्डर केस : मुख्य आरोपी ने किया सुसाइड

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेंगलुरु मर्डर केस में पुलिस को जिस शख्स पर महालक्ष्मी की हत्या कर उसके शरीर के 59 टुकड़े करने का शक था, उसने ओडिशा में आत्महत्या कर ली है। महालक्ष्मी के संदिग्ध कातिल का शव ओडिशा में एक पेड़ से लटका मिला है। उसके पास से एक सुसाइड नोट भी मिला है, जिसमें उसने जाते-जाते हत्या की बात कबूल की है। 30 साल के आरोपी मुक्ति रंजन रे का शव ओडिशा के भद्रक जिले के धुसुरी पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आने वाले एक गांव में मिला। आरोपी कातिल मुक्ति रंजन रे कथित तौर पर फरार चल रहा था। स्थानीय पुलिस ने बेंगलुरु पुलिस को इसकी जानकारी दी। बेंगलुरु पुलिस इलाके में संदिग्ध की तलाश कर रही थी। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, आरोपी रंजन मंगलवार को अपने गांव गया था, लेकिन बाद में वह घर से निकल गया और उसका शव गांव के बाहर मिला। परिजनों ने शव की शिनाख्त कर ली है और उसे पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले की जानकारी जुटाने के लिए आगे की जांच की जा रही है। ओडिशा के एडिशनल डायरेक्टर जनरल ऑफ लॉ एंड ऑर्डर संजय कुमार ने बताया कि पुलिस को एक सुसाइड नोट मिला है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की मौजूदगी में आज सागर में होगी इंडस्ट्री कॉन्क्लेव

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 27 सितंबर को सागर में रीजनल इंडस्ट्रीज कॉन्क्लेव में उद्योगपतियों के साथ वन-टू-वन चर्चा कर सेक्टोरल-सत्रों में शामिल होंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव विभिन्न नवीन एवं प्रस्तावित परियोजनाओं का वर्चुअल लोकार्पण एवं शिलान्यास भी करेंगे। इनमें सागर, भोपाल एवं नर्मदापुरम संभाग के क्षेत्रीय कार्यालय के लिए प्रस्तावित भूमि आवंटन, सागर में एमपीआईडीसी के रीजनल कार्यालय का भूमि-पूजन, सागर, दमोह, पन्ना, टीकमगढ़, छतरपुर एवं निवाड़ी जिलों में जिला निवेश प्रोत्साहन केंद्र का लोकार्पण और कोयंबटूर में एमपीआईडीसी के कार्यालय का लोकार्पण शामिल हैं। प्रदेश के चौथे रीजनल इंडस्ट्रीज कॉन्क्लेव का आयोजन सागर के जवाहरलाल नेहरू पुलिस अकादमी ग्राउंड में शुक्रवार को किया जा रहा है।

कॉन्क्लेव में देश-विदेश के उद्योगपति एवं निवेशक शामिल होंगे। शुभारंभ सत्र में र देश के प्रमुख उद्योगपति राज्य में निवेश के प्रति अपने विचार रखेंगे। कॉन्क्लेव में विभिन्न सेक्टोरल-सत्र आयोजित किये जायेंगे। इसमें पेट्रोकेमिकल, प्लास्टिक एवं संबंधित सेक्टर (मुख्य फोकस - बीना रिफ़ाइनरी से संबंधित) कृषि, खाद्य प्र-संस्करण और डेयरी क्षेत्र, एमएसएमई एवं स्टार्टअप, कुटीर उद्योग (मुख्य फोकस-बीड़ी उद्योग), रिन्यूएबल एनर्जी, टेक्सटाइल व टेक्निकल टेक्सटाइल पर दो राउंड-टेबल सत्र, एक ज़िला-एक उत्पाद (ओडीओपी) से संबंधित कार्यशाला और स्थानीय समस्याओं के आईटी आधारित समाधान के लिए हैकथोन का आयोजन भी शामिल हैं। कॉन्क्लेव का मुख्य फोकस स्थानीय कुटीर उद्योग होगा। बीड़ी उद्योग पर आधारित पृथक सेशन में विस्तृत कार्य-योजना पर चर्चा की जायेगी। %एक ज़िला-एक उत्पाद% में सागर संभाग के सभी जिलों के स्थानीय उत्पादों की विश्व स्तरीय गुणवत्ता, विपणन एवं प्र-संस्करण सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा होगी। कॉन्क्लेव में मध्यप्रदेश में निवेश की संभावनाओं संबंधी वीडियो फिल्म दिखाई जायेगी। प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन श्री राघवेन्द्र कुमार सिंह द्वारा इन्वेस्टमेंट अपोर्च्यूनिटिज इन मध्यप्रदेश पर और प्रमुख सचिव खनन एवं खनिज साधन श्री संजय शुक्ला द्वारा इन्वेस्टमेंट अपोर्च्यूनिटिज इन माइनिंग सेक्टर पर प्रेजेंटेशन दिया जायेगा। प्रमुख सचिव पर्यटन श्री शिव शेखर शुक्ल द्वारा इन्वेस्टमेंट अपोर्च्यूनिटिज इन टूरिज्म सेक्टर और सचिव एमएसएमई डॉ. श्री नवनीत मोहन कोठारी एमएसएमई एवं स्टार्टअप्स पर प्रेजेंटेशन देंगे। कॉन्क्लेव में प्रबंध निदेशक हस्तशिल्प, हथकरघा विकास निगम एवं मध्यप्रदेश खादी ग्रामोद्योग बोर्ड श्री मोहित बुंदस द्वारा कुटीर एवं ग्रामोद्योग पर प्रेजेंटेशन देंगे। प्रमुख उद्योगपति मध्यप्रदेश में निवेश के अवसरों पर अपने अनुभव साझा करेंगे। रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर एवं टेक्सटाइल व टेक्निकल सेक्टर में निवेश पर राउंड टेबल मीटिंग होगी।

कॉन्क्लेव में एक जिला-एक उत्पाद सहित विभिन्न विभागों की हितग्राहीमूलक योजनाओं की प्रदर्शनी एवं स्टॉल भी लगाये जायेंगे। कॉन्क्लेव में बुंदेलखंडी संस्कृति से सराबोर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी। स्थानीय कलाकार बुंदेलखंडी नृत्य और गायन की आकर्षक प्रस्तुति देंगे। कार्यक्रम स्थल पर पारम्परिक तरीक़े से अतिथियों का स्वागत किया जाएगा। अतिथिगण भोजन में स्थानीय व्यंजनों का लुत्फ़ उठा सकेंगे।

शाह बोले- अब्दुल्ला और नेहरू 40 हजार हत्याओं के जिम्मेदार

श्रीनगर (एजेंसी)। गृह मंत्री अमित शाह आज जम्मू-कश्मीर में चुनावी रैली कर रहे हैं। उन्होंने चेनानी और उधमपुर में लोगों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि यह अब्दुल्ला और नेहरू ही हैं जो जम्मू और कश्मीर में 40,000 लोगों की हत्या के जिम्मेदार हैं। उस समय फारूक अब्दुल्ला कहां थे? वह गर्मियों में लंदन में छुट्टियां मना रहे थे और महंगी मोटरसाइकिल चला रहे थे। कोई पार्टी नहीं, सिर्फ भाजपा ने जम्मू और कश्मीर से आतंकवाद को खत्म किया है। शाह ने कहा कि हमारी देश की संसद पर जिस अफजल गुरु ने हमला करवाया उसकी फांसी की सजा का ये

लोग विरोध कर रहे हैं। उमर अब्दुल्ला कहते हैं कि अफजल गुरु को फांसी नहीं देनी चाहिए। उमर अब्दुल्ला साहब, आप आतंकवादियों को बिरयानी खिलाते रहिए, लेकिन जो आतंक फैलाएगा, उसका जवाब फांसी के तख्ते पर ही दिया जाएगा। कांग्रेस, एनसी जम्मू-कश्मीर में फिर आतंकवाद लाना चाहते हैं। आतंकवाद को हम पाताल तक दफन करके ही हम दम लेंगे। उमर अब्दुल्ला और राहुल कह रहे थे कि हम जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र लाएंगे। किस मुंह से कह रहे हैं आप? अब्दुल्ला परिवार, मुफ्ती परिवार और नेहरू-गांधी परिवार ने 70 साल तक जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र को बांध कर रखा। अभी-अभी राहुल गांधी यहां आए थे। उन्होंने कहा कि बाहर के लोग यहां शासन करते हैं, उनका मतलब उप-राज्यपाल जी से था।

कर्नाटक सीएम सिद्धारमैया इस्तीफे के सवाल पर भड़के

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक सीएम सिद्धारमैया गुरुवार को एक रिपोर्टर पर भड़क गए। रिपोर्टर ने उनसे पूछा था कि इस्तीफा कब दे रहे हैं। सिद्धारमैया ने रिपोर्टर का माइक झटक दिया और कहा कि जब जरूरत होगी, तब कॉल करके बता दूंगा। विपक्ष की मांग है कि सिद्धारमैया सीएम की कुर्सी छोड़ दें। इस्तीफे की मांग को लेकर गुरुवार को भाजपा और जनता दल सेक्युलर विधानसभा के बाहर प्रदर्शन कर रहे हैं। दरअसल, सिद्धारमैया मैसुरु शहरी विकास प्राधिकरण घोटाले में जांच के दायरे में आ चुके हैं।

भारत का शुक्रयान 2028 में लॉन्च होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत का पहला शुक्र मिशन मार्च 2028 में लॉन्च किया जाएगा। केंद्र सरकार ने 19 सितंबर को इस मिशन को मंजूरी दी। यह मिशन चार साल का होगा। वीनस यानी शुक्र ग्रह धरती से करीब 4 करोड़ किमी दूर है। वीनस को पृथ्वी का जुड़वां ग्रह भी कहा जाता है। हालांकि, यहां का दिन-रात पृथ्वी की तुलना में काफी लंबा होता है। दरअसल वीनस अपनी धुरी पर बहुत धीमे घूमता है। इसकी वजह से वीनस का एक दिन पृथ्वी के 243 दिनों के बराबर होता है। मिशन वीनस क्या है भारत का यह मिशन वीनस के ऑर्बिट का

अध्ययन करेगा। ग्रह की सतह, वायुमंडल, आयनोस्फियर (वायुमंडल का बाहरी हिस्सा) की जानकारी जुटाएगा। वीनस सूर्य के नजदीक (करीब 11 करोड़ किलोमीटर) है। ऐसे में सूर्य का इस पर क्या प्रभाव पड़ता है। इसका भी पता लगाएगा। वीनस की स्टडी क्यों जरूरी है, इसके 3 कारण वीनस ग्रह को अक्सर पृथ्वी का जुड़वां कहा जाता है क्योंकि यह आकार और डेंसिटी (घनत्व) के मामले में पृथ्वी जैसा है। इसलिए, वीनस के अध्ययन से पृथ्वी के विकास को समझने में मदद मिल सकती है। माना जाता है कि वीनस पर भी कभी पानी था, लेकिन अब यह सूखा और धूल भरा ग्रह बन गया है।

यहां टेंपरेचर 462 डिग्री सेल्सियस वीनस की सतह का तापमान लगभग 462 डिग्री सेल्सियस है।

92 साल के हुए पूर्व पीएम मनमोहन सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को उनके 92वें जन्मदिन पर बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कांग्रेस नेता राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे समेत कई नेताओं ने उन्हें शुभकामनाएं दी हैं। मनमोहन सिंह भारत के 13वें प्रधानमंत्री थे और उनका जन्म 26 सितंबर, 1932 को हुआ था। वह एक अर्थशास्त्री भी हैं, भारत की अर्थव्यवस्था को नए आयाम देने में उनकी आर्थिक नीतियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

प्रधानमंत्री मोदी ने मनमोहन सिंह को बधाई देते हुए एक्स पर लिखा, पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को जन्मदिन की हार्दिक बधाई। मैं प्रार्थना करता हूं कि उन्हें दीर्घायु और स्वस्थ जीवन मिले।

झारखंड में बड़ा रेल हादसा : बोकारो स्टील प्लांट से चली ट्रेन 2 हिस्सों में बंटी, वंदे भारत समेत कई ट्रेनें प्रभावित

बोकारो (एजेंसी)। झारखंड के बोकारो जिले में बड़ा रेल हादसा हुआ है। जानकारी के अनुसार बोकारो स्टील प्लांट से निकली मालगाड़ी तुपकाडीह रेलवे स्टेशन के पास डिरेल हो गई है। मालगाड़ी के डिरेल होने के कारण इस रूट पर आवाजाही पूरी तरह से ठप हो गई है। आवागमन प्रभावित होने के कारण इस रूट पर चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस को फिलहाल दूसरे स्टेशन पर रोकना पड़ा। हादसे के बाद मालगाड़ी डाउन दो हिस्सों में बंट गयी। बताया जा रहा है कि इस हादसे में तार व मास्क समेत ट्रैक की भारी क्षति हुई है। यह घटना तुपकाडीह राजाबेड़ा सेक्सन किलोमीटर संख्या 412/30 30 के पास हुई। मालगाड़ी डीरेल हो जाने से दर्जनों ट्रेनों का परिचालन बाधित हुआ है।

पीएम किसान : मोदी सरकार जारी करेगी 18वीं किस्त, किसानों के खातों में आएंगे 2000 रुपए

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना पीएम किसान सम्मान निधि के तहत देश के करोड़ों किसानों के लिए खुशखबरी है। सरकार ने नवरात्रि के दौरान किसानों के खातों में 2000 रुपये की अगली किस्त जारी करने का फैसला किया है।

पीएम किसान सम्मान निधि की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 5 अक्टूबर को किसानों के लिए 18वीं किस्त जारी करेंगे। इस योजना के तहत सरकार देश के छोटे और सीमांत किसानों को सालाना 6000 रुपये की आर्थिक मदद देती है। यह राशि सीधे किसानों के बैंक खातों में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से भेजी जाती है।

ई-केवाईसी करना जरूरी

योजना का लाभ लेने के लिए किसानों का ई-केवाईसी होना अनिवार्य है। ई-केवाईसी के माध्यम से किसान अपनी पहचान की पुष्टि कर सकते हैं। किसान ऑनलाइन ओटीपी के माध्यम से या कॉमन सर्विस सेंटर पर जाकर अपनी अंगुली या चेहरे के निशान के माध्यम से ई-केवाईसी करा सकते हैं।

योजना का उद्देश्य

पीएम किसान सम्मान निधि योजना का मुख्य उद्देश्य किसानों की आय बढ़ाना और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। इस योजना के माध्यम से किसानों को खेती के लिए आवश्यक खर्च जैसे बीज, खाद और सिंचाई के लिए धनराशि मिलती है।

कैसे करें ई-केवाईसी

जनता का ध्यान बांटने के लिए हो रही राजनीति :मायावती

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने यूपी सरकार के आदेश से होटलों व ढाबों में नाम पता लिखें जाने वाले मामले पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह सब खाद्य सुरक्षा हेतु कम व जनता का ध्यान बांटने की चुनावी राजनीति ज्यादा है।

बसपा मुखिया मायावती ने गुरुवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, यूपी सरकार द्वारा होटल, रेस्तरां, ढाबों आदि में मालिक, मैनेजर का नाम, पता के साथ ही सीसीटीवी कैमरा लगाना

अनिवार्य करने की घोषणा, कांवड़ यात्रा के दौरान की ऐसी कार्रवाई की तरह ही फिर से चर्चा में है, यह सब खाद्य सुरक्षा हेतु कम व जनता का ध्यान बांटने की चुनावी राजनीति ज्यादा है।

उन्होंने आगे लिखा कि वैसे तो खाद्य पदार्थों में मिलावट आदि को लेकर पहले से ही काफी सख्त कानून हैं, फिर भी सरकारी लापरवाही/मिलीभगत से मिलावट का बाजार हर तरफ गर्म है, क्या अब दुकानों पर लोगों के नाम जबरदस्ती लिखवा देने आदि से क्या मिलावट का काला धंधा खत्म हो जाएगा? बसपा मुखिया ने लिखा कि वैसे भी तिरुपति मंदिर में 'प्रसादम' के लड्डू में चर्बी की मिलावट की खबरों ने देश भर में लोगों को काफी दुखी व उद्वेलित कर रखा है

मानहानि मामले में शिवसेना नेता संजय राउत को दोषी करार

महाराष्ट्र (एजेंसी)। मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट मझगांव ने भाजपा नेता किरीट सोमैया की पत्नी डॉ. मेधा किरीट सोमैया की शिकायत पर मानहानि मामले में शिवसेना नेता संजय राउत को दोषी ठहराया।

डॉ. मेधा किरीट सोमैया के वकील विवेकानंद गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया अदालत ने संजय राउत को 15 दिन की कैद और 25,000 रुपये का जुर्माना लगाने का आदेश दिया। बीजेपी नेता किरीट सोमैया की पत्नी मेधा किरीट ने राउत के खिलाफ

केस दर्ज कराया था। मेधा ने उन पर 100 करोड़ रुपये के मानहानि का मुकदमा दायर किया था। दरअसल, राउत ने मेधा पर 100 करोड़ रुपये के शौचालय घोटाले में शामिल होने का आरोप लगाया था।

बीसीसीआई का नया नियम, मुंबई इंडियन को मिलेगी राहत!

नई दिल्ली (एजेंसी)। इसी साल दिसंबर के महीने में आईपीएल ऑक्शन 2025 का आयोजन किया जाएगा। लेकिन उससे पहले ही बीसीसीआई एक बड़े नियम में बदलाव कर सकता है। दरअसल, अब तक हर टीम को ऑक्शन से पहले 3 खिलाड़ियों को रिटेन करने की अनुमति थी लेकिन अब ये संख्या तीन से पांच हो सकती है। इस नियम के लागू होने का मतलब है कि मुंबई इंडियंस का बड़ा सिरदर्द खत्म हो जाएगा।

इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट्स के मुताबिक बीसीसीआई हेडक्वार्टर में हाल ही में अहम बैठक हुई थी जिसमें 10 टीमों के मालिक मौजूद थे। ज्यादातर टीम मालिक 5 से 6 खिलाड़ियों को रिटेन करने की अनुमति चाहते थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक फ्रेंचाइजी मालिकों के कहने के बाद बीसीसीआई इसके लिए तैयार हो गया है। बोर्ड को लगता है कि ऐसा करने से टीमों की ब्रांड वैल्यू बनी रहेगी।

बता दें कि, 2022 मेगा ऑक्शन के दौरान हर टीम को चार खिलाड़ियों को रिटेन की अनुमति थी। इन चार खिलाड़ियों में तीन से ज्यादा भारतीय, और दो से ज्यादा विदेशी नहीं हो सकते थे। बीसीसीआई पांच खिलाड़ियों को रिटेन करने के बारे में तो मान गया है लेकिन ये तय नहीं है कि इसमें कितने भारतीय और कितने विदेशी खिलाड़ी होंगे।

अगर पांच खिलाड़ियों को रिटेन करने का नियम आता है तो मुंबई इंडियंस की परेशानी दूर हो सकती है। बीते कई सालों से टीम के मुख्य खिलाड़ी टीम में बने हुए हैं। बीते साल हार्दिक पंड्या को टीम ने बतौर कप्तान टीम में शामिल किया है।

कानपुर के ग्रीन पार्क में खेला जाएगा भारत-बांग्लादेश दूसरा टेस्ट

कानपुर (एजेंसी)। कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में भारत और बांग्लादेश के बीच दूसरा टेस्ट मैच 27 सितंबर से खेला जाएगा। इस मैदान पर भारतीय टीम लगभग 3 साल बाद टेस्ट खेलने उतरी है। चेन्नई टेस्ट में भारतीय टीम ने मेहमान टीम को 218 रनों से मात देकर सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। जहां चेन्नई की पिच बांग्लादेशी टीम के लिए थोड़ी सहज थी तो ग्रीन पार्क पर पड़ोसियों को पसीने छूटने वाले हैं। यहां तो ऑस्ट्रेलियाई टीम की भी हालात खस्ता हो चुकी है। कानपुर की पिच काली मिट्टी की होगी। इस पिच का मिजाज कब बदल जाए कुछ कहा नहीं जा सकता। यहां हुए पिछले मुकाबलों को देखा जाए, तो अभी तक यहां अधिकतर हुए टेस्ट मुकाबलों में गेंद की उछाल कम आंकी गई है। लेकिन पिच का कायाकल्प होने के बाद तेज गेंदबाज भी हावी दिखे, जिसमें खतरनाक बाउंसर भी बल्लेबाजों के लिए परेशानी का सबब बन जाती है। यहां शुरुआत में स्पिन का बोलबाला रहेगा और यहां बल्लेबाजों को संभालने की जरूरत होगी क्योंकि दोनों टीमों में कई धुरंधर स्पिनर शामिल हैं। ऐसा अनुमान है कि चेन्नई में सतह से मिली उछाल की तुलना में ग्रीन पार्क की पिच अधिक सपाट होगी और टेस्ट के आगे बढ़ने के साथ ही उछाल भी कम होती चली जाएगी। साथ ही कानपुर की पिच धीमा होने की संभावना को देखते हुए दोनों टीमें अपनी रणनीति और चयन में बदलाव ला सकती हैं।

कोहली और पंत को 84 सदस्यीय सूची में जगह मिली

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली और आक्रामक विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत को दिल्ली की रणजी ट्रॉफी टीम के संभावित खिलाड़ियों की 84 सदस्यीय विशाल सूची में जगह मिली है लेकिन इन दोनों के पूरे सत्र के दौरान टीम की ओर से लाल गेंद के किसी मुकाबले के लिए उपलब्ध रहने की संभावना नहीं है।

अनुभवी तेज गेंदबाज इशांत शर्मा को हालांकि इस सूची में जगह नहीं मिली है। देश के सबसे तेज गेंदबाज मयंक यादव और भारतीय टीम में जगह बनाने के एक अन्य दावेदार हर्षित राणा संभावित खिलाड़ियों में शामिल हैं। कोहली ने दिल्ली के लिए पिछली बार 2012 में गाजियाबाद में उत्तर प्रदेश के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मैच खेला था जबकि पंत पिछली बार टीम की ओर से लाल गेंद का मुकाबला कोविड-19 महामारी की शुरुआत से पहले खेले थे। डीडीसीए के एक अधिकारी ने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर पीटीआई को बताया, ''यह एक प्रोटोकॉल है। वे हमारे पंजीकृत खिलाड़ी हैं और अगर वे खेलना चाहते हैं तो उनका नाम संभावित खिलाड़ियों की सूची में डालना हमारी जिम्मेदारी है।'' सौ टेस्ट खेलने वाले 35 वर्षीय इशांत के मामले में यह समझा जाता है कि उनके रणजी ट्रॉफी खेलने का कोई मतलब नहीं है क्योंकि अब वह राष्ट्रीय टीम की योजनाओं में शामिल नहीं हैं।

इस खिलाड़ी ने लपका स्टीव स्मिथ का बेहतरीन कैच

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे मुकाबले में जीत हासिल करके सीरीज में अपनी उम्मीदों को जिंदा रखा है। चेस्टर ली स्ट्रीट में खेले गए मैच में ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 304 रन बनाए। एलेक्स कैरी ने 77 और स्टीव स्मिथ ने 60 रन बनाए। स्मिथ का कैच ब्रायडन कार्स के बेहतरीन तरीके से लपका। इंग्लैंड ने बारिश से बाधित मैच 46 रन से जीत लिया। बता दें कि, 34वें ओवर में जोफ्रा आर्चर गेंदबाजी करने आए थे। आर्चर की गेंद पर स्मिथ ने शानदार पुल शॉट खेला, कार्स डीप स्क्वायर लेग पर खड़े थे, उन्होंने अपने बाएं ओर दौड़ लगाई और डाइव लगाकर बाउंड्री के पास गए, घुटने के सहारे दोनों हाथों से कैच लपका। गेंद की रफ्तार देखते हुए ये लग नहीं रहा था कि कोई गेंद को रोक पाएगा लेकिन कार्स ने ये कर दिखाया। स्टीव स्मिथ को कैच देखकर यकीन नहीं हुआ। वह कमर पर हाथ रखकर कुछ देर के लिए कार्स को देखते रह गए। वहीं आर्चर के चेहरे पर भी मुस्कान थी। वह जानते थे कि अगर कार्स कैच न लेते तो इस गेंद पर छक्का तय था। सभी खिलाड़ी कैच के फौरन बाद कार्स की तरफ दौड़े।

बांग्लादेश पर दबदबा कायम रखने उतरेगा भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। कप्तान रोहित शर्मा और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली से बड़ी पारी की उम्मीद कर रहा भारत शुक्रवार से यहां शुरू होने वाले दूसरे और अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच में बांग्लादेश पर अपना दबदबा कायम रखते हुए दो मैच की श्रृंखला में क्लीन स्वीप करने के इरादे से मैदान पर उतरेगा। भारत ने चेन्नई में खेले गए पहले टेस्ट मैच में रविचंद्रन अश्विन के ऑलराउंड खेल, शुभमन गिल के शतक, रविंद्र जडेजा की अच्छी बल्लेबाजी तथा ऋषभ पंत के वापसी पर किए गए शानदार प्रदर्शन की मदद से बड़ी जीत हासिल की थी। बांग्लादेश के तेज गेंदबाजों ने पहले दिन भारत पर दबाव बना दिया था लेकिन रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम ने जिस तरह से वापसी की उससे उसका विशेष कर घरेलू मैदानों पर टेस्ट क्रिकेट में दबदबे का पता चलता है। भारत की निगाह अब स्वदेश में लगातार 18वीं श्रृंखला जीतने पर टिकी हैं। पंत ने सीमित ओवरों की क्रिकेट में सफल वापसी के बाद टेस्ट क्रिकेट में भी अपना जलवा दिखाया। उन्हें खेलते हुए देखकर लगता है कि उन्होंने अपने खेल में नए आयाम जोड़े हैं क्योंकि जरूरत पड़ने पर उन्होंने अपने आक्रामक रवैए पर लगाम भी लगाई। लेकिन पहले टेस्ट मैच में रोहित और विराट का बल्ला खामोश रहा।

इस मैच में बांग्लादेश के तेज गेंदबाजों हसन महमूद और तस्कीन अहमद ने अनुकूल पिच पर अच्छी गेंदबाजी की थी। भारत का टेस्ट क्रिकेट में आगे का कार्यक्रम काफी व्यस्त है और ऐसे में रोहित और कोहली यहां बड़ी पारी खेलने के लिए बेताब होंगे। ग्रीन पार्क के विकेट से स्पिनरों को मदद मिलती रही है। भले ही इसमें शुरू तेज गेंदबाजों को कुछ मदद मिलने की उम्मीद है लेकिन खेल आगे बढ़ने के साथ इसकी प्रकृति में बदलाव होने की संभावना है। ऐसे में भारत तीन तेज गेंदबाजों के बजाय तीन स्पिनरों को अंतिम एकादश में शामिल कर सकता है। ऐसी स्थिति में आकाशदीप की जगह कुलदीप यादव को मिल सकती है जिनका यह घरेलू मैदान है।

भारत अगर बल्लेबाजी को अधिक मजबूत करना चाहेगा तो फिर अक्षर पटेल को कुलदीप पर प्राथमिकता मिल सकती है। ग्रीन पार्क में इससे पहले 2021 में जो अंतिम टेस्ट मैच खेला गया था उसमें भारत तीन स्पिनर अश्विन, जडेजा और अक्षर के साथ उतरा था। न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला गया यह मैच ड्रॉ रहा था। जहां तक बांग्लादेश की बात है तो पहले टेस्ट मैच में उसके बल्लेबाज अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए थे जिसे देखते हुए वह अपनी टीम में बदलाव कर सकता है। उसके बल्लेबाज पहली पारी में भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण के सामने नहीं चल पाए थे जबकि दूसरी पारी में अश्विन की फिरकी का उनके पास कोई जवाब नहीं था। शाकिब अल हसन की उपलब्धता पर टीम प्रबंधन ने विरोधाभासी बयान दिए हैं। जहां बांग्लादेश के एक चयनकर्ता ने कहा था कि चेन्नई में बल्लेबाजी करते समय लगी उंगली की चोट के कारण उनका चयन संदिग्ध है, वहीं मुख्य कोच चंडिका हथुरुसिंघे ने कहा कि यह स्टार ऑलराउंडर खेलने के लिए उपलब्ध है। बांग्लादेश तेज गेंदबाज नाहिद राणा की जगह बाएं हाथ के स्पिनर ताईजुल इस्लाम को अंतिम एकादश में शामिल कर सकता है। उसके पास ऑफ स्पिनर नईम हसन के रूप में एक अन्य विकल्प है।

भारतीय ऑलराउंडर जडेजा इस मैच में 300 विकेट और 3000 रन का अनोखा डबल बनाने वाले खिलाड़ी बन सकते हैं। उन्होंने अभी तक 73 टेस्ट मैच में 299 विकेट और 3122 रन बनाए हैं। इंग्लैंड के इयान बॉथम ने 72 टेस्ट मैच में यह उपलब्धि हासिल की थी और जडेजा के पास उनके बाद सबसे कम मैच में इस मुकाम पर पहुंचने का मौका है। यहां पिछले कुछ दिनों से काफी उमस है और खिलाड़ियों को इस चुनौती से भी पार पाना होगा।यही नहीं मैच के पहले और तीसरे दिन बारिश आने की संभावना भी है।

बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट में इतिहास रच सकते हैं रविंद्र जडेजा, बस करना होगा ये आसान सा काम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट में ऐतिहासिक रिकॉर्ड बना सकते हैं। उन्होंने पहले टेस्ट की पहली पारी में 86 रन की पारी खेलने के बाद दोनों पारियों में 5 विकेट झटके थे। दरअसल, रविंद्र जडेजा के नाम 73 टेस्ट में 299 विकेट हैं। वह एक विकेट और लेते हैं टेस्ट क्रिकेट में अपने 300 विकेट पूरे कर लेंगे। वह ऐसा करने वाले भारत के पहले ही लेफ्ट आर्म स्पिनर बनेंगे। दुनिया में अब तक 2 ही लेफ्ट आर्म स्पिनर्स 300 टेस्ट विकेट ले सके हैं। इनमें श्रीलंका के रंगना हेराथ 233 विकेट के साथ पहले और न्यूजीलैंड के डेनियल विटोरी 362 विकेट के साथ दूसरे नंबर पर काबिज हैं। अगर जडेजा भी ये उपलब्धि हासिल कर लेते हैं तो वह ऐसा करने वाले दुनिया के तीसरे लेफ्ट आर्म स्पिनर बन जाएंगे। 35 वर्षीय जडेजा हर मैच में औसतन 4 विकेट ले रहे हैं। रंगना हेराथ से आगे निकलने के लिए उन्हें 134 विकेट और चाहिए। 4 विकेट के औसत से देखें तो ऐसा करने के लिए उन्हें 34 टेस्ट और लगेंगे। भारत एक साल में औसत 10 से 12 टेस्ट खेलता है यानी जडेजा को 34 टेस्ट खेलने में 4 साल और लग सकते हैं।

मैकुलम के तीनों प्रारूप में कोच बनने के बाद सीमित ओवरों की क्रिकेट में वापसी को तैयार हैं स्टोक्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। चेस्टर ली स्ट्रीट। इंग्लैंड की टेस्ट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने कहा है कि ब्रेंडन मैकुलम का टेस्ट के साथ-साथ सीमित ओवरों की क्रिकेट टीम का कोच बनने के बाद वह एक दिवसीय और टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करने के लिए तैयार हैं। स्टोक्स ने यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे के दौरान स्काई स्पोर्ट्स से कहा, ''अगर मुझसे पूछा जाता है कि क्या मैं खेलना चाहता हूं तो निश्चित तौर पर मेरा जवाब हां होगा।'' स्टोक्स ने 2019 में वनडे विश्व कप और 2022 में टी20 विश्व कप के फाइनल में इंग्लैंड की तरफ से मैच विजेता पारियां खेली थी।

पिछले साल भारत में खेले गए वनडे विश्व कप में भाग लेने के लिए उन्होंने संन्यास से वापसी की थी लेकिन इस टूर्नामेंट में इंग्लैंड का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। फिटनेस से जुड़े मामलों के कारण वह इस साल जून में टी20 विश्व कप में नहीं खेले थे जिसमें इंग्लैंड सेमीफाइनल में पहुंचा था। इंग्लैंड ने पिछले कुछ समय में सीमित ओवरों की अपनी टीमों में नए खिलाड़ियों को जगह दी है और स्टोक्स ने कहा कि अगर मैकुलम यही पसंद करते हैं तो उन्हें युवाओं को टीम में जगह मिलने पर खुशी होगी।

उन्होंने कहा,''हमारी सफेद गेंद वाली टीमों ने नई दिशा पकड़ ली है। हमने कुछ अविश्वसनीय प्रतिभाओं को सामने आते देखा है जैसे कि जैकब बेथेल, जो मुझे लगता है कि एक सुपरस्टार बनने जा रहा है।'' स्टोक्स ने कहा, ''मैंने इंग्लैंड की तरफ से सीमित ओवरों के कई मैच खेले हैं और खेल के इन प्रारूप में मैंने जो कुछ हासिल किया है उससे मैं बहुत खुश और संतुष्ट हूं। अगर मैं किसी भी तरह से इन टीमों का हिस्सा बनता हूं तो बहुत अच्छा लेकिन अगर ऐसा नहीं होता है तो मुझे निराशा नहीं होगी। मैं तब आ आराम से बैठकर मैचों का आनंद ले सकता हूं।''

कानपुर टेस्ट के लिए रोहित-गंभीर ने किया पिच का निरीक्षण

नई दिल्ली (एजेंसी)। 27 सितंबर से भारत और बांग्लादेश के बीच कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में दूसरा टेस्ट मैच खेला जाएगा। इस टेस्ट के लिए टीम इंडिया ने तैयारी शुरू कर दी है। कप्तान रोहित शर्मा और हेड कोच गौतम गंभीर ने पिचा का मुआयना किया और विराट कोहली ने इस दौरान जमकर बल्लेबाजी की प्रैक्टिस की। इससे पहले चेन्नई टेस्ट में भारत ने बांग्लादेश को हराकर सीरीज में अजेय बढ़त बना ली है। अक्षर पटेल को चेन्नई टेस्ट में खेलने का मौका नहीं मिला था। रविंद्र जडेजा के रहते हुए अक्षर का प्लेइंग 11 में जगह बना पाना मुश्किल ही नजर आ रहा है। जसप्रीत बुमराह ने चेन्नई टेस्ट में दमदार गेंदबाजी की थी, अब दूसरे टेस्ट में भी उनसे ऐसी ही उम्मीद होगी। कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम की पिच दूसरे टेस्ट मैच के लिए कैसी होगी, इसका मुआयना करते हुए कप्तान रोहित शर्मा नजर आए। रोहित शर्मा प्रैक्टिस सेशन के दौरान पिच को

परखते हुए भी दिखे। गौतम गंभीर और विराट कोहली के बीच भले ही आईपीएल के दौरान मैदान पर फाइट देखने को मिली है, लेकिन जबसे गौतम गंभीर टीम इंडिया के हेड कोच बने हैं, उनके और विराट के बीच काफी बढ़िया केमेस्ट्री देखने को मिली है। कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में प्रैक्टिस के दौरान गंभीर और विराट की इस फोटो को कैप्शन आप खुद दे दीजिए। कप्तान रोहित शर्मा को मालूम है कि पिच का रोल कितना अहम हो सकता है। कानपुर टेस्ट में ग्रीन पार्क स्टेडियम में इसी पिच पर टेस्ट मैच खेला जाना है। रोहित के लिए पिच को परखना इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि इसके हिसाब से ही उन्हें प्लेइंग एक्सआई भी चुनना होगा। टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर और असिस्टेंट कोच अभिषेक नायर दोनों ही पिच को परखने में लगे हैं। अक्षर पटेल के लिए भले ही प्लेइंग 11 में जगह बनती ना नजर आ रही हो, लेकिन प्रैक्टिस सेशन में उनकी एनर्जी में कोई कमी नजर नहीं आ रही है। प्रैक्टिस सेशन के दौरान विराट कोहली ने फील्डिंग के साथ-साथ बैटिंग प्रैक्टिस की। विराट कोहली पहले टेस्ट मैच में दोनों पारियों में बड़ा स्कोर नहीं बना पाए थे, लेकिन वह इस कमी को इस टेस्ट मैच में जरूर पूरा करना चाहेंगे।

गौ अभ्यारण्यों को स्वयं के आय से संचालन योग्य बनाएं: कंसोटिया

कलेक्टर छात्रावासों का नियमित निरीक्षण करें: कंसोटिया

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। संभागीय समीक्षा बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव जेएन कंसोटिया ने निर्धारित एजेण्डा बिंदुओं की जिलेवार समीक्षा की। कंसोटिया ने कहा कि गौशालाओं का निर्माण शीघ्र पूरा कराकर इनमें निराश्रित गौवंश को व्यवस्थित कराएं। सड़कों से गौवंश हटाने के लिए प्रभावी प्रयास करें। गौ अभ्यारण्यों में बड़ी संख्या में गौवंश रखे गए हैं। यहाँ उपलब्ध गोबर से खाद तथा अन्य वस्तुओं का निर्माण कराएं। गौ अभ्यारण्यों तथा गौशालाओं को स्वयं के आय से संचालन योग्य बनाएं। सभी कलेक्टर छात्रावासों का नियमित निरीक्षण करें। छात्रावासों में विद्यार्थियों के पठन-पाठन, भोजन, आवास आदि की अच्छी व्यवस्था कराएं। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने बैठक से बिना सूचना अनुपस्थित अधीक्षण यंत्री पूर्वी क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी तथा अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा को कारण बताओ नोटिस देने के निर्देश दिए। उन्होंने अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा के प्रतिनिधि को दो वेतन वृद्धियाँ रोकने का नोटिस देने के निर्देश दिए।

कंसोटिया ने कहा कि निर्माण कार्यों को तय समय सीमा में पूरा कराएं। जहाँ नलजल योजनाओं का कार्य पूरा हो गया है। वहाँ पानी की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित कराने के साथ जल कर की वसूली शुरू कराएं। सीधी से सिंगरौली हाईवे के निर्माण का टेंडर एक अक्टूबर को खुलेगा। इसका निर्माण शीघ्र शुरू कराएं। कलेक्टर जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान की भी नियमित मॉनीटरिंग करें। कोरेक्स तथा अन्य नशीले पदार्थों के विरूद्ध संभाग में सराहनीय कार्यवाही की गई है। इसके साथ-साथ शिक्षण संस्थाओं में नशे के विरूद्ध जागरूकता अभियान चलाएं। नशे के शिकार युवाओं के पुनर्वास के लिए भी उचित प्रयास करें।

बैठक में कंसोटिया ने कहा कि उचित मूल्य दुकानों से खाद्यान्न वितरण की स्थिति में भी सुधार हुआ है। हर माह खाद्यान्न का शत-प्रतिशत उठाव तथा वितरण कराएं। कलेक्टर तथा अन्य अधिकारी किसी एक दुकान के खाद्यान्न वितरण का अध्ययन करके रिपोर्ट प्रस्तुत करें। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव ने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने, खाद और बीज की उचित व्यवस्था करने, सीएम राइज स्कूलों के भवन निर्माण, शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, मातृ मृत्यु दर तथा शिशु मृत्यु दर पर नियंत्रण, कुपोषण पर नियंत्रण तथा 23 अक्टूबर को प्रस्तावित रीजनल इंडस्ट्रियल कॉनक्लेव के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए। बैठक में कमिश्नर बीएस जामोद ने बताया कि संभागीय बैठक के सभी एजेण्डा बिन्दुओं पर तत्परता से कार्यवाही की जा रही है। कलेक्टर हर माह इसकी समीक्षा कर रहे हैं। राज्य स्तर पर लंबित मामलों में भी लगातार फालोअप किया जा रहा है। बैठक में कलेक्टर रीवा प्रतिभा पाल, कलेक्टर सतना अनुराग वर्मा, कलेक्टर सीधी स्वरोचिष सोमवंशी, कलेक्टर मैहर रानी बाटड तथा कलेक्टर मऊगंज अजय श्रीवास्तव अपने-अपने जिले के विकास कार्यों एवं एजेण्डा बिन्दुओं की जानकारी दी। बैठक में कलेक्टर सिंगरौली चन्द्रशेखर शुक्ला तथा अन्य अधिकारी वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए। बैठक में डीआईजी साकेत प्रकाश पाण्डेय, अपर कमिश्नर अरूण परमार, वन मण्डलाधिकारी रीवा अनुपम शर्मा, वन मण्डलाधिकारी सीधी और सतना तथा सभी संभागीय अधिकारी, उपायुक्त डीएस सिंह तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

10 दिनों के अंदर करें सभी लंबित प्रकरणों का निराकरण: अपर कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। अपर कलेक्टर स्वप्निल वानखड़े की अध्यक्षता में गुरूवार को कलेक्टेऊट सभाकक्ष में उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा पीएमएफएमई योजनांतर्गत जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रभारी उप संचालक उद्यान अनिल कुमार सिंह द्वारा पीपीटी के माध्यम से पीएमएफएमई योजना के उद्देश्य, पात्रता, आवश्यक दस्तावेज, प्राप्त लक्ष्य एवं पूर्ति तथा विभिन्न बैंको में लंबित प्रकरणों की जानकारी विस्तार से दी गई। अपर कलेक्टर स्वप्निल बानखेड़े द्वारा विभिन्न बैंकों में लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिए एलडीएम सहित बैंक प्रमुखों को निर्देशित करते हुए कहा कि पीएमएफएमई योजनांतर्गत लंबित सभी 76 प्रकरणों पर 10 दिनों के अन्दर निर्णय लेना सुनिश्चित करें। इसी प्रकार अन्य विभाग प्रमुखों को भी अपने-अपने हितग्राहियों को योजनांतर्गत लाभान्वित करने के निर्देश अपर कलेक्टर द्वारा दिये गये। इस मौके पर उप संचालक कृषि मनोज कश्यप, सहायक संचालक पशु कल्याण विभाग डॉ. एम.के. वर्मा, प्रबंधक उद्योग एवं व्यापार विभाग आर.एल. पाण्डेय, अग्रणी जिला प्रबंधक गौतम शर्मा, सभी बैंक प्रतिनिधि, विभाग में कार्यरत डीआरपी, एनआरएलएम की जिला प्रबंधक अंजुला झा, एफमीओ प्रमुख तथा अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

दो युवकों के खिलाफ केस, ईद मिलादुन्नबी के जुलूस में तिरंगे पर लिखा था कलमा

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मैहर के दो युवकों के खिलाफ तिरंगे का अपमान करने के मामले में केस दर्ज किया गया है। दोनों ने खिलाफ धार्मिक जुलूस में राष्ट्र ध्वज तिरंगे का अपमान करने का आरोप है। जानकारी के मुताबिक मैहर के ताला थाना पुलिस ने राष्ट्र ध्वज तिरंगे के अपमान के आरोप में इसहाक मदनी निवासी मुकुंदपुर और आसिफ खान निवासी मुकुंदपुर थाना ताला जिला मैहर के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। इनके खिलाफ यह प्रकरण राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम 1971 की धारा 2 के तहत राकेश सिंह नामक व्यक्ति की शिकायत पर कायम किया गया है।

पुलिस ने बताया कि 16 सितंबर को ईद मिलादुन्नबी के पर्व पर मुस्लिम समाज के लोगों ने जुलूस निकाला था। इस जुलूस में आरोपियों ने हाथ मे तिरंगा ले रखा था जिसमें अशोक चक्र के स्थान पर उर्दू भाषा में कलमा लिखा गया था। आरोपियों ने तिरंगे के स्वरूप में परिवर्तन कर उसमे कलमा लिखा और उसे लहराया। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था।

हिन्दू संगठन के राकेश सिंह ने इसकी शिकायत करते हुए पुलिस को पैन ड्राइव में वीडियो की क्लिप भी सौंपी। शिकायतकर्ता ने इसे राष्ट्र ध्वज का अपमान बताया। पुलिस ने जांच के बाद इस मामले में इसहाक मदनी और आसिफ खान के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

1 अक्टूबर से 5 नवंबर तक लगेंगे पिछडा वर्ग एवं विमुक्त समुदाय के लिए समस्या निवारण शिविर

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। कलेक्टर अनुराग वर्मा ने जिले के सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, तहसीलदार, पीएचई विभाग, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत, सीएमओ नगर पालिका/नगर परिषद, सामाजिक न्याय विभाग तथा प्राचार्य आईटीआई को निर्देशित करते हुए कहा है कि पिछडा वर्ग एवं विमुक्त, घुमन्तु एवं अर्द्धघुमन्तु समुदायों से संबंधित विभागों की योजनाओं में आने वाली समस्याओं के निराकरण के लिए 1 अक्टूबर से 5 नवम्बर 2024 तक विकासखण्ड स्तरीय समस्या निवारण शिविर आयोजित किया जायेगा।

शिविर में शैक्षणिक सामाजिक एवं आर्थिक योजनाओं तथा मुख्यमंत्री विमुक्त, घुमन्तु और अर्द्धघुमन्तु स्वरोजगार योजना, आईटीआई के माध्यम से कौशल, कला एवं रोजगार, सुदृढीकरण योजना, पात्रता पर्ची, पहचान पत्र तथा राशन कार्ड, समग्र आईडी, जाति प्रमाण पत्र, स्वच्छता एवं स्वास्थ्य जैसी मूलभूत दस्तावेजों को बनाये जाने की प्रक्रिया से संबंधित विकासखण्ड स्तर पर शिविर आयोजित किये जायेंगे। जिसके अंतर्गत 1 अक्टूबर को कार्यालय नगर पंचायत चित्रकूट में, 8 अक्टूबर को कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी मझगवां में, 15 अक्टूबर को कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी नागौद में, 22 अक्टूबर को कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी उचेहरा में, 29 अक्टूबर को कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी रामपुर बघेलान तथा 5 नवंबर को कार्यालय जनपद पंचायत सोहावल में दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक विकासखण्ड स्तर पर शिविर आयोजित किये जायेंगे। कलेक्टर अनुराग वर्मा ने शिविरों का आयोजन संबंधित अनुविभागीय अधिकारी एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद द्वारा स्वयं की निगरानी में संयुक्त रूप से किये जाने के निर्देश दिये है। जिसमें हितग्राहियों को बैठने एवं पेयजल की व्यवस्था कराया जाना सुनिश्चित की जाये।

जिला सतर्कता एवं मानीटरिंग समिति की बैठक आज

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। अनुसूचित जाति, जनजाति अत्याचार अधिनियम 1989 एवं अत्याचार निवारण नियम संशोधित 2016 के तहत जिला स्तरीय सतर्कता एवं मानीटरिंग समिति की बैठक कलेक्टर अनुराग वर्मा की अध्यक्षता में 27 सितंबर 2024 को प्रातः 11 बजे से कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित गई है। जिला संयोजक आदिम जाति कल्याण ने बताया कि बैठक में अधिनियम 1989 के अंतर्गत नियम 1995 संशोधित 2016 के तहत विभिन्न उपबंधों के तहत विभिन्न श्रेणी के प्रकरण स्वीकृत और भुगतान राशि, विभिन्न श्रेणी के पीड़ितो को स्वीकृत एवं भुगतान राशि, अधिनियम के उपबंधो के क्रियान्वयन के लिये जिम्मेदार अधिकारियों एवं अभिकरणों की भूमिका के संबंध में, विशेष न्यायालय में अधिनियम के अंतर्गत विचाराधीन एवं निराकृत मामलों एवं पुलिस में दर्ज प्रकरण और अनुसंधान में लंबित मामलों के संबंध में चर्चा की जायेगी।

विकासखण्ड स्तरीय रोजगार मेला आज नागौद में

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। शासकीय आईटीआई सतना एवं जिला रोजगार कार्यालय सतना द्वारा सुपरवाइजर पद की भर्ती के लिये सतना एवं मैहर जिले की समस्त शासकीय आईटीआई संस्थाओं में एक दिवसीय प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजित किया जा रहा है। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि 23 सितंबर से 4 अक्टूबर 2024 तक सतना एवं मैहर जिले की शासकीय आईटीआई संस्थाओं में अलग-अलग तिथियों में प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित कर एसआईएस सिक्योरिटी सर्विस सिंगरौली में सिक्योरिटी गार्ड/सुपरवाइजर पद के लिये योग्य अभ्यर्थियों का चयन किया जायेगा।

जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि 27 सितंबर को शासकीय आईटीआई नागौद, 30 सितंबर को शासकीय आईटीआई रामनगर, 1 अक्टूबर को शासकीय आईटीआई अमरपाटन, 3 अक्टूबर को शासकीय आईटीआई मैहर, 4 अक्टूबर को शासकीय आईटीआई सतना में प्रातः 10.30 बजे से दोपहर 3 बजे तक प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जायेगा। जिसमें आयु 19 से 40 वर्ष आयुवर्ग तथा 10वीं पास/फेल, 12वीं उत्तीर्ण बेरोजगार आवेदक अपने मूल रिकार्ड के साथ निर्धारित स्थान पर उपस्थित हो सकते हैं। भर्ती से संबंधित जानकारी के लिए अनूप सिंह बैस मो. 7470803157 पर सम्पर्क कर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

ताइक्कांडो खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में जीते 15 गोल्ड

अब विदिशा में होने वाली राज्य स्तरीय स्पर्धा में दिखाएंगे दम

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। सतना के स्कूलों के 15 ताइक्कांडो खिलाड़ियों का चयन राज्य स्तरीय शालेय ताइक्कांडो प्रतियोगिता के लिए हुआ है। सभी चयनित खिलाड़ी विदिशा में 4 अक्टूबर से आयोजित 68वीं राज्यस्तरीय स्पर्धा में हिस्सा लेंगे।

ताइक्कांडो संघ के संदीप भारती ने बताया कि रीवा में आयोजित संभाग स्तरीय शालेय स्कूल ताईक्कांडो प्रतियोगिता का आयोजन 25 और 26 सितंबर को खेल एवं युवा कल्याण विभाग के खेल परिसर में किया गया था। प्रतियोगिता में सतना जिले की एकेडमिक हाईट, वेंकट क्रमांक 1, क्रिस्तुकुला, क्राइस्ट ज्योति, लवडेल स्कूल समेत विभिन्न स्कूलों से 24 ताइक्कांडो खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया।

संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में विभिन्न वर्ग के लगभग 120 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया, जिनमें जबरदस्त प्रतिस्पर्धा दिखने को मिली। सतना जिले के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 15 गोल्ड पर कब्जा कर लगातार दूसरे वर्ष भी ऐतिहासिक जीत दर्ज की और ओवरआल चैंपियन बने। सभी चयनित खिलाड़ी 4 अक्टूबर से 7 अक्टूबर तक विदिशा में आयोजित होने वाली 68वीं राज्यस्तरीय स्कूल शालेय ताइक्कांडो प्रतियोगिता 2024 में हिस्सा लेंगे।

विभिन्न वर्ग कैटेगरी में जीतने वाले खिलाड़ियों में 14 वर्ष से कम में प्रिंसी कुशवाहा, सुरभी पटनहा, कीर्ति सोनी, ईसा सोनी, कृष्णा कुशवाहा, विशेष गर्ग, शौर्य सिंह और 17 वर्ष से कम आयु वर्ग में अस्मी भारती, अक्षिता दुबे, मेघा सिंह, जानवी गर्ग, स्नेहा पयासी, अध्ययन भारती, अथर्व त्रिपाठी और यथार्थ रजक का चयन हुआ।

सतना टीम के साथ प्रमुख प्रबंधक के रूप में मीना त्रिपाठी, जिला खेल अधिकारी और कोच के रूप में जिला ताईक्कांडो के सतना के सचिव और उत्कृष्ट विद्यालय वेंकट क्रमांक 1 के ताइक्कांडो नोडल प्रशिक्षक डा. संदीप भारती, धीरेन्द्र सिंह, खेल विकास खंड अधिकारी, सलकांत बहादुर सिंह, विष्णु पांडे, दिनेश सेन, संतोष पटेल, संदीप टंडन, शिवेंद्र सिंह, अनुज दहायत, छाया शिवहरे टीम के साथ थे। डॉ.संदीप भारती प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका रहे। एकेडमिक हाइट स्कूल के चेयरमेन शम्मी पुरी और जिला ताईक्कांडो संघ के सभी पदाधिकारियों ने हर्ष व्यक्त किया।

सड़क हादसे में दादा-पोते की मौत

ट्रैक्टर ने बाइक को टक्कर, बेटा गंभीर, इलाज कराने जा रहे थे अस्पताल

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। सतना जिले के नागौद में गुरुवार की सुबह हुए एक सड़क हादसे में दादा और पोते की मौत हो गई जबकि बेटा गंभीर घायल है। हादसा नागौद कस्बे में स्थित सिविल अस्पताल के पास हुआ।

मृतकों में प्रेमलाल वर्मा (58) और आकाश वर्मा (4) शामिल है वहीं प्रेमलाल का बेटा और आकाश का पिता वीरेंद्र वर्मा इस हादसे में गंभीर घायल है।

बताया जाता है कि प्रेमलाल लोक निर्माण विभाग में कार्यरत था। वह अपने बेटे वीरेंद्र के साथ पोते आकाश का इलाज कराने नागौद अस्पताल आ रहा था। लेकिन अस्पताल से कुछ दूर पहले ही जसो रोड पर बिल्डिंग मैटेरियल लोड कर जा रही ट्रैक्टर ट्राली ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी।

तीनों को आनन-फानन में नागौद अस्पताल लाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने प्रेमलाल और आकाश को मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद ट्रैक्टर ड्राइवर भाग निकला। पुलिस ने ट्रैक्टर ट्राली जब्त कर ली है।

अज्ञात वाहन ने साइकिल सवार को मारी टक्कर

मां की मौत, बच्ची घायल, निमंत्रण में शामिल होने जाते समय हुआ हादसा

मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट निप्र। चित्रकूट में बांदा-चित्रकूट मुख्य सड़क पर सुदिनपुर के पास एक भीषण सड़क हादसे में एक महिला की जान चली गई। अज्ञात वाहन ने साइकिल पर सवार परिवार को टक्कर मारी। जिसमें महिला की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में एक वर्षीय बच्ची घायल हो गई।

बुधवार देर शाम भरतकूप थाना क्षेत्र के भारतपुर निवासी कमलेश अपनी पत्नी गौरा और एक वर्षीय बच्ची के साथ साइकिल से श्राद्ध निमंत्रण के लिए बदौसा जा रहे थे। तभी तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने पीछे से साइकिल को जोरदार टक्कर मारकर मौके से फरार हो गया।

हादसे में गंभीर रूप से घायल गौरा और उनकी बच्ची को स्थानीय लोगों की मदद से 108 एंबुलेंस से बांदा मेडिकल कॉलेज लाया गया। चिकित्सकों ने गौरा की हालत को गंभीर देखते हुए प्रयागराज रेफर किया।लेकिन रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया। बच्ची का इलाज चल रहा है।

जिला अस्पताल की सीटी स्कैन मशीन खराब

गरीब मरीजों की बढ़ी मुश्किलें, सीएमएस बोलीं- जल्द कराया जाएगा ठीक

मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट निप्र। चित्रकूट जिला अस्पताल में सीटी स्कैन की मशीन खराब हो जाने से मरीजों की परेशानी बढ़ गई है। अस्पताल में अब तक हर वर्ग के मरीजों को मुफ्त में सीटी स्कैन की सुविधा मिलती थी। जो अब बंद हो गई है। प्राइवेट अस्पतालों में सीटी स्कैन करवाने के लिए 3000 हजार रुपए देना पड़ता है। जिससे गरीब और मध्यम वर्ग के मरीजों को काफी परेशानी होगी।

अब मशीन खराब होने के बाद चित्रकूट जिले में सीटी स्कैन की कोई सुविधा नहीं है। मरीजों को मजबूरन प्रयागराज, कौशांबी या मध्य प्रदेश के अस्पतालों का रुख करना होगा। गुरुवार को अचानक मशीन के बंद हो जाने से जिला अस्पताल में हड़कंप मच गया।

जिला अस्पताल की मुख्य चिकित्सा अधीक्षक वंदना श्रीवास्तव ने बताया कि इमरजेंसी मरीजों को तुरंत इलाज के लिए कौशांबी और प्रयागराज भेजा जाएगा। अन्य मरीजों को 6-7 दिनों तक इंतजार करना होगा। जब तक मशीन को ठीक नहीं किया जाता। इलेक्ट्रीशियन से संपर्क किया गया है,। अगले 7 दिनों में मशीन को ठीक करने की बात कह रहा है। तब तक मरीजों को असुविधा का सामना करना पड़ेगा।

जिला अस्पताल के सामने प्रशासन की कार्रवाई

नगर निगम ने हटवाए ठेले, 20 बाइक और 5 ऑटो जब्त किए

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। जिले के सरदार वल्लभ भाई पटेल जिला चिकित्सालय के मुख्य गेट के सामने गुरुवार को ट्रैफिक पुलिस और नगर निगम ने मिलकर कार्रवाई की। यहां यातायात में बाधा बन रहे अवैध ठेले, ऑटो रिक्शा और बाइक को जब्त किया गया। करीब 20 बाइक और 5 ऑटो को थाने भेजा गया।

ठेले वालों और दुकान के बाहर रखे सामान ने सड़कों को संकरा बना दिया था। पुलिस और नगर निगम ने मिलकर दुकानदारों को चेतावनी दी और ठेले हटवाए। अस्पताल के बाहर अतिक्रमण से एम्बुलेंस का निकलना भी मुश्किल हो जाता है। निगम ने दुकानदारों से सड़कों पर फैले सामान को हटाने को कहा।

राज्यमंत्री भी दे चुकी हैं निर्देश: सतना जिला अस्पताल के सामने ठेलों, ऑटो और ई-रिक्शों के कारण सड़क संकरी हो गई है, इससे हर वक्त जाम लगा रहता है। ऐसे में एम्बुलेंस का भी निकलना मुश्किल होता है।

अस्पताल के मैन गेट को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए प्रदेश की नगरीय विकास और आवास राज्य मंत्री प्रतिमा बागरी भी मीटिंग में निर्देश दे चुकी हैं। लेकिन स्थायी समाधान अब तक नहीं हो पाया।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।